दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

वर्षः- 04
अंकः- 340
मुरादाबाद
05 April 2025
(Saturday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

अमित शाह बोले: मणिपुर हिंसा में 260 लोग मारे गए, लेकिन बंगाल में चुनावी संघर्ष में ही ढाई सौ लोग मार दिए गए

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मणिपुर की जातीय हिंसा में अब तक 260 लोग मारे गए हैं, लेकिन बंगाल में तो चुनावी हिंसा में ही ढाई सौ लोग मार दिए गए हैं। शाह ने कहा कि जातीय हिंसा और नक्सलवाद में फर्क है। दो समुदायों के बीच जब नस्लीय हिंसा होती है और हथियार लेकर देश की सरकार और जनता के खिलाफ खड़े नक्सलवादियों, दोनों से निपटने का तरीका अलग-अलग है। विपक्ष को

इन दोनों हिंसा में कोई फर्क नहीं दिखता है।केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को राज्य सभा में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने के अनुमोदन के लिए प्रस्ताव रखा। सदन ने प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया। अमित शाह ने कहा कि 2004 से 2014 के बीच नॉर्थईस्ट में 11,327 हिंसक घटनाएं हुईं, लेकिन मोदी सरकार के दस साल में ये घटनाएं 70 प्रतिशत घटकर 3,428 रह गई हैं। सुरक्षाबलों की मृत्यु में 70 प्रतिशत और नागरिकों की मृत्यु में 85 प्रतिशत की कमी हुई है। मोदी सरकार ने नॉर्थईस्ट में 20 शांति समझौते किए हैं और 10 हजार से अधिक युवाओं ने हथियार डालकर आत्मसमर्पण किया है। गृह मंत्री ने कहा कि मणिपुर में जातीय हिंसा में 260 लोग मारे गए हैं, लेकिन बंगाल में तो चुनावी हिंसा में ही ढाई सौ लोग मार दिए गए हैं। प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि मणिपुर सरकार के सामने कोई अविश्वास प्रस्ताव नहीं आया था, क्योंकि विपक्ष के पास यह प्रस्ताव लाने के लिए पर्याप्त सदस्य ही नहीं हैं। उनकी पार्टी के मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दिया और फिर राज्यपाल ने भाजपा के 37, एनपीपी के 6, एनपीएफ के 5, जद (यू) के 1 और कांग्रेस के 5 विधानसभा सदस्यों से चर्चा की। जब अधिकतर सदस्यों ने कहा कि वे सरकार बनाने की स्थिति में नहीं हैं, तब कैबिनेट ने राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा की, जिसे राष्ट्रपति महोदया ने स्वीकार किया।दिसंबर, 2024 से मणिपुर में नहीं हुई कोई हिंसा

अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रपति शासन 13 फरवरी को लगाया गया, जबकि दिसंबर, 2024 से आज तक मणिपुर में कोई हिंसा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की भ्रांति फैलाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। 13 फरवरी, 2025 से 7 साल पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि मणिपुर में उस वक्त विपक्ष की सरकार थी और तब वहां औसतन एक साल में 200 से अधिक दिन मणिपुर में बंद, ब्लॉकेड और कर्फ्यू रहता था और 1000 से अधिक लोग एनकाउंटर्स में मारे गए थे। उन्होंने कहा कि उस वक्त भी तत्कालीन प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा नहीं किया था। जातीय हिंसा और नक्सलवाद में फर्क- शाह केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जातीय हिंसा और नक्सलवाद में फर्क है। दो समुदायों के बीच जब नस्लीय हिंसा होती है और हथियार लेकर देश की सरकार और जनता के खिलाफ खड़े नक्सलवादियों, दोनों से निपटने का तरीका अलग-अलग है। विपक्ष को इन दोनों हिंसा में कोई फर्क नहीं दिखता है। शाह ने कहा कि यह बहुत संवेदनशील विषय है और इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बंगाल में सैकड़ों साल तक संदेशखली में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार होता रहा लेकिन विपक्ष ने कुछ नहीं किया और आर जी कार मामले में भी कुछ नहीं किया। यह डबल स्टैंडर्ड ज़्यादा दिन नहीं चल सकता है। गृह मंत्री ने कहा कि मणिपुर में जातीय हिंसा में 260 लोग मारे गए हैं, लेकिन बंगाल में तो चुनावी हिंसा में ही ढाई सौ लोग मार दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष दो सीटें जीतकर हमें सबक सिखाना चाहता है लेकिन देश की जनता ने तीन आम चुनावों में लगातार इन्हें सबक सिखाया है। मणिपुर में नस्लीय हिंसा पहली बार नहीं हुई- मणिपुर की जातीय हिंसा में अब तक 260 लोग मारे गए हैं जिनमें से 70 प्रतिशत पहले 15 दिन में ही मारे गए थे। शाह ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब मणिपुर में नस्लीय हिंसा हुई है। उन्होंने सदन को बताया कि मणिपुर में 1993 से 1998 तक 5 साल तक नागा-कुकी संघर्ष हुआ, जिसमें 750 मौतें हुईं और छिटपुट घटनाएं एक दशक तक चलती रहीं। उन्होंने कहा कि उस वक्त तत्कालीन प्रधानमंत्री वहां नहीं गए। 1997-98 में कुकी-पाइते संघर्ष हुआ, जिसमें 50 से अधिक गांव नष्ट हुए, 13 हज़ार लोग विस्थापित हुए, 352 लोग मारे गए, सैकड़ों घायल हुए और 5 हज़ार घर जलाए गए। 1993 में 100 से अधिक मृत्यु हुईं- शाह ने कहा कि 1993 में छह माह तक चले मैतेई-पंगल संघर्ष में 100 से अधिक मृत्यु हुईं थीं। इन हिंसाओं के दौरान भी तत्कालीन प्रधानमंत्री वहां नहीं गए। उन्होंने कहा कि उस वक्त उनकी पार्टी ने हिंसा का राजनीतिकरण नहीं किया था लेकिन आज विपक्ष राजनीतिक तंज कसकर मणिपुर के घावों पर नमक छिड़कने का काम कर रहा है। अमित शाह ने कहा कि मणिपुर उच्च न्यायालय के आदेश से पहले, 7 साल के शासन में मणिपुर में एक भी दिन बंद और कर्फ्यू नहीं रहा और न ही हिंसा हुई। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के एक फैसले के कारण मणिपुर के जनजातीय और गैरजनजातीय समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि यह हिंसा न तो सरकारी विफलता है, न आतंकवाद और धार्मिक संघर्ष है, बल्कि हाई कोर्ट के एक फैसले की व्याख्या से दो समुदायों में फैली असुरक्षा की भावना के कारण हुई जातीय हिंसा है। उन्होंने कहा कि अगले ही दिन सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश को स्टे कर दिया था क्योंकि वहएक असंवैधानिक आदेश था। सामान्य स्थिति होते ही मणिपुर में हटेगा राष्ट्रपति शासन- केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन किसी को बचाने या अविश्वास प्रस्ताव के कारण नहीं लगाया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति शासन लगने के बाद भारत सरकार के गृह सचिव रहे अजय कुमार भल्ला को वहां का राज्यपाल बनाया गया है और अब वहां शांति है। उन्होंने सदन को बताया कि दोनों पक्षों के बीच कई बैठकें हो चुकी हुई हैं, इस सदन के चलने के समय भी दो बैठकें हुई हैं और दोनों समुदायों की नई दिल्ली में जल्द ही एक और बैठक होने की संभावना है। गृह मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों समुदाय स्थिति को समझेंगे और संवाद का रास्ता अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि मणिपुर में स्थिति सामान्य होते ही एक भी दिन राष्ट्रपति शासन नहीं रखा जाएगा क्योंकि राष्ट्रपति शासन उनकी पार्टी की नीति नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

गर्मी से हाल होगा बेहाल- दिल्ली में हीट वेव का यलो अलर्ट, चार दिन ऐसा रहेगा मौसम; साफ कर लो AC-कूलर

देश की राजधानी दिल्ली में मौसम विभाग ने हीट वेव को लेकर चेतावनी जारी कर दी है। मौसम विभाग के मुताबिक, अप्रैल की शुरूआत में ही लू चलेगी। दिल्ली में अप्रैल माह में ही सूरज आसमान से आग बरसा रहा है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों को लेकर चेतावनी जारी कर दी है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में अप्रैल की शुरुआत में ही लू चलेगी। वहीं गर्मी से हाल बेहाल होगा। मौसम विभाग ने 8 अप्रैल तक हीट वेव की स्थिति को लेकर येलो अलर्ट जारी किया। तापमान 40-42 डिग्री के बीच रहेगा।वहीं बीता गुरुवार इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। अधिकतम तापमान 39 डिग्री दर्ज किया गया था। वहीं दिल्ली के रिज इलाके में अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार अभी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। वहीं न्यूनतम तापमान में अब बढ़ोतरी होनी शुरू होगी। रविवार तक तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच जाएगा।अप्रैल में गर्मी रहेगी ज्यादा बारिश नहीं होने और मौसम के शुष्क रहने के कारण तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इस सप्ताह के अंत तक तापमान के 40 डिग्री पार करने की संभावना है। इस कारण से चिलचिलाती धूप और झुलसा देने वाली गर्मी से सामना होगा। विभाग की ओर से पहले ही कहा जा चुका है कि अप्रैल में गर्मी ज्यादा रहेगी। 6 व 7 अप्रैल को अधिकतम तापमान 38-41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19-22 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। वहीं 8 व 9 अप्रैल को भी तापमान 38-40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21-23 डिग्री के बीच रह सकता है।

मुख्यमंत्री योगी ने लॉन्च की 6500 करोड़ की आवासीय योजना, आज से ही बुक कराइए अपनी जमीन, पंजीकरण शुरू

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अनंत नगर आवासीय योजना का शुभारंभ कर दिया। यह योजना 6500 करोड़ की है जो कि 785 एकड़ में प्रस्तावित है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ विकास प्राधिकरण की अनंत नगर आवासीय योजना लॉन्च कर दी। इस योजना की लागत 6500 करोड़ रुपये है जो कि 785 एकड़ में प्रस्तावित है। शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने योजना को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही मोहान रोड स्थित इस योजना में भूखण्डों के लिए पंजीकरण का शुभारंभ हो गया।आठ सेक्टर में बंटी योजना का ग्रिड पैटर्न पर हुआ विकास- अनंत नगर नाम से लॉन्च हुई एलडीए की मोहान रोड योजना में कुल आठ सेक्टर होंगे। इनके नाम भी तय हो गए हैं। इसमें आकाश खंड, आदित्य खंड, आलोक खंड, आदर्श खंड, आशीष खंड, आमोद खंड, आलेख खंड और आभास खंड होंगे। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि चंडीगढ़ के पंचकुला की तरह मोहान रोड योजना का विकास ग्रिड पैटर्न पर किया जाएगा। योजना कलिया खेड़ा और प्यारेपुर गांव की 785 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित की जा रही है।प्रत्येक सेक्टर में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सेक्टोरल शॉपिंग सेंटर, बरात घर और वेंडिंग जोन का प्रावधान किया जाएगा। योजना में पांच श्रेणी के आवासीय भूखंड नियोजित किए जाएंगे। इसमें 112.50 वर्गमीटर, 162 वर्गमीटर, 200 वर्गमीटर, 288 वर्गमीटर व 450 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखंड शामिल हैं। ग्रुप हाउसिंग के बड़े भूखंड भी नियोजित किए जाएंगे। इसके अलावा 102 एकड़ के विशाल क्षेत्रफल में एजुकेशन सिटी विकसित की जाएगी। फैक्ट फाइल- - जमीन की कीमत 41150 रुपये प्रति वर्ग मीटर तय की गई है।- पंजीकरण ऑनलाइन एलडीए पोर्टल द्यस्त्रड्ड.द्बठ्ठ इन पर होगा। - पंजीकरण शुल्क 1100 रुपये तय किया गया है। - पंजीकरण एक महीने तक चलेगा।

वक्फ संशोधन बिल पारित होते ही मुस्लिम कार्यकर्ताओं का नीतीश से मोहभंग, समूह में छोड़ रहे JDU

वक्फ संशोधन बिल पर जेडीयू में बड़ी टूट सामने आ रही है। मुजफ्फरपुर में 20 से अधिक मुस्लिम नेताओं ने जदयू को छोड़ दिया है। उन लोगों ने नेमप्लेट तोड़कर सीए नीतीश कुमार के खिलाफ नारे भी लगाए। बिहार में वक्फ संशोधन बिल को लेकर जारी सियासी उबाल ने अब जेडीयू की जड़ों को भी हिलाना शुरू कर दिया है। वक्फ बिल पर मोदी सरकार को समर्थन देने के बाद जदयू में अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच गहरी नाराजगी देखी जा रही है। अब मुजफ्फरपुर जिले से इस नाराजगी का पहला बड़ा असर सामने आया है, जहां जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव अफरीदी रहमान ने अपने 20 से अधिक समर्थकों के साथ पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।इस्तीफा देने के साथ ही अफरीदी रहमान और उनके समर्थकों ने अपने-अपने घरों पर लगे जेडीयू के नेमप्लेट तोड़कर विरोध जताया। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। पार्टी से नाता तोड़ते हुए इन नेताओं ने नीतीश कुमार पर मुसलमानों के साथ विश्वासघात करने का गंभीर आरोप लगाया है। 'वक्फ की जमीन बचाने की लड़ाई है, यह केवल राजनीति नहीं' अफरीदी रहमान ने इस्तीफा देते हुए कहा कि वक्फ संपत्तियां हमारे पूर्वजों की धरोहर हैं। इन संपत्तियों में मस्जिद, कब्रिस्तान, मदरसा जैसी आस्थाओं से जुड़ी चीजें आती हैं, जिन्हें आजादी से पहले वक्फ किया गया था। लेकिन केंद्र सरकार ने वक्फ संशोधन बिल लाकर मुसलमानों की इन संपत्तियों को हड़पने की साजिश रची है। उन्होंने कहा कि जेडीयू जैसे धर्मनिरपेक्ष कहे जाने वाले दल का इस बिल का समर्थन करना मुस्लिमों के साथ खुला धोखा है।'नीतीश ने हमें ठगा, अब पछतावा हो रहा है' अफरीदी रहमान ने कहा कि उन्होंने वर्षों तक जेडीयू का झंडा उठाया, लोगों के बीच पार्टी की विचारधारा का प्रचार किया। लेकिन अब यह साफ हो चुका है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुस्लिम समुदाय के साथ न्याय नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमें अफसोस है कि हमने इतनी वफादारी निभाई और अंत में हमें ही धोखा मिला।'नीतीश ने हमें ठगा, अब पछतावा हो रहा है' अफरीदी रहमान ने कहा कि उन्होंने वर्षों तक जेडीयू का झंडा उठाया, लोगों के बीच पार्टी की विचारधारा का प्रचार किया। लेकिन अब यह साफ हो चुका है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुस्लिम समुदाय के साथ न्याय नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमें अफसोस है कि हमने इतनी वफादारी निभाई और अंत में हमें ही धोखा मिला पार्टी में बढ़ता असंतोष, मुस्लिम नेताओं में गहरी नाराजगी यह घटनाक्रम केवल मुजफ्फरपुर तक सीमित नहीं है। वक्फ संशोधन बिल पर जेडीयू के रुख से मुस्लिम समुदाय के नेताओं में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। पार्टी से जुड़े कई अन्य जिलों के मुस्लिम कार्यकर्ता भी अपने-अपने स्तर पर विरोध दर्ज करा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में अन्य जिलों से भी इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो सकता है। बिल पर देश भर में विरोध, पर जेडीयू का समर्थन- वक्फ संशोधन बिल को लेकर पूरे देश में मुस्लिम समुदाय द्वारा विरोध किया जा रहा है। समुदाय का आरोप है कि यह बिल मुस्लिमों की धार्मिक संपत्तियों को छीनने का रास्ता खोलता है। हालांकि केंद्र सरकार इसे है, लेकिन विपक्ष में शामिल कई पार्टियों के साथ जेडीयू, लोजपा, हम पार्टी और दक्षिण भारत के कुछ दलों द्वारा समर्थन देने के बाद से अल्पसंख्यकों में असंतोष गहरा गया है।

सरकार ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की पत्नी की सुरक्षा घटाई; अब Z श्रेणी सिक्योरिटी कवर

केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर की सुरक्षा की समीक्षा के बाद उनको मिल रही सुरक्षा श्रेणी में बदलाव किया गया है। बता दें कि, पहले उन्हें जेड-प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिल रही थी।केंद्र सरकार ने पूर्व पीएम स्व. मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर की सुरक्षा घटा दी है। जानकारी के मुताबिक, गुरशरण कौर को अब जेड- श्रेणी सिक्योरिटी की सुरक्षा मिलेगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने समीक्षा के बाद दिवंगत प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर की सशस्त्र सुरक्षा घटाकर जेड श्रेणी कर दी है। पिछले साल 26 दिसंबर को 92 वर्ष की आयु में दिवंगत हुए पूर्व प्रधानमंत्री के निकटतम परिवार से होने के कारण उन्हें पहले जेड-प्लस श्रेणी की केंद्रीय सुरक्षा दी गई थी।केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने की सुरक्षा की समीक्षा सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की तरफ से गुरशरण कौर की सुरक्षा की हाल ही में की गई समीक्षा में उन्हें जेड श्रेणी में रखने का प्रावधान किया गया है, जो सुरक्षा का दूसरा सबसे उच्च स्तर है। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) वीआईपी सुरक्षा विंग को कौर के लिए जेड श्रेणी के अनुसार कर्मियों की संख्या और प्रोटोकॉल कम करने का निर्देश दिया है। निजी सुरक्षा के साथ मिलेगी घर की सुरक्षा- सूत्रों ने बताया कि उन्हें निजी सुरक्षा के साथ-साथ उनके घर की सुरक्षा के लिए करीब 12 सशस्त्र कमांडो की सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के वर्गीकरण में बदलाव के कारण पूर्व पीएम के लिए स्वीकृत दिल्ली पुलिस कर्मियों की संख्या में भी कमी आई है। बता दें कि, केंद्र सरकार की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए विशेष सुरक्षा समूह अधिनियम में बदलाव किए जाने के बाद, पूर्व पीएम मनमोनह सिंह को 2019 में सीआरपीएफ के उन्नत सुरक्षा संपर्क (एएसएल) प्रोटोकॉल के साथ जेड-प्लस कवर प्रदान किया गया था।स्व. मनमोहन सिंह 2004 से 2014 के बीच दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे।बता दें कि, केंद्रीय सुरक्षा सूची के तहत वीआईपी सुरक्षा कवर उच्चतम जेड-प्लस (एएसएल) से शुरू होकर जेड-प्लस, जेड, वाई, वाई-प्लस और एक्स तक होता है।

संपादकीय Editorial

Revdis are not 'bhikh'

Madhya Pradesh government minister Prahlad Patel has called the common people 'beggars'. The minister is upset that people start pushing their papers forward on seeing the leader, start making demands, start asking for jobs for their children. It seems as if the public is begging like beggars! Whatever the context may be or the minister's state of mind may not be right, but the real beggars are the leaders and ministers, who plead with the public for every single vote during elections. After all, who made Prahlad Patel an MLA and minister? If he will not listen to the common man and will not try to fulfill his demands, then why is he in power? Should the public perform his aarti? In democracy, the basic power lies with the public, whose voting rights elect MLAs and MPs. Later they get ministerial posts in the government. Prahlad Patel was also a minister in the Modi government at the Center. From there he was brought into state politics. It is possible that that frustration is still stored within him! In democracy, elected faces are called 'public servants'. Prime Minister Modi also considers himself the 'Pradhan Sevak' of the country. He never once called the public 'beggars' during his 11 years in power. Here, some leaders have started speaking foul language. An MLA estimates the average value of a voter to be Rs 2000 and considers a 'prostitute' to be better than that. Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar had said that you voted for me, but this does not mean that you have become my 'boss'. What kind of political culture is this? The trend of distributing freebies in politics is becoming widespread, in fact, it is a greed, a bribe, political parties cannot consider it 'bhikh'. If someone has called the bhikhs 'bhikhs', then the political group is responsible and guilty for it. It was they who started distributing bhikhs in view of their own selfish interests. Now this freebie is ruining the country's economy because money is needed to distribute freebies and the governments are facing acute shortage of capital. There is no state which has not taken loan to distribute freebies. Two examples are noteworthy. When Prime Minister Modi had started the 'Kisan Samman Nidhi' scheme, about 14 crore farmers were covered under it, but now this number has come down to about 8.5 crore farmers. These so-called freebies of Rs 6000 per annum are being distributed to them only. The Prime Minister himself is against the politics of freebies, but BJP governments are also taking loans to make people drink ghee. The latest case is of the Delhi semi-state government. March 8 is 'International Women's Day'. Chief Minister Rekha Gupta has assured the public that Rs 2500 will be deposited in the accounts of eligible women by that date. The government needs about Rs 21,000 crores only for distributing these freebies. Delhi's budget is about Rs 77,000 crore. Out of that, about Rs 64,000 crore is spent on salaries, allowances, pensions etc. The question is, from where will the semi-state government get the money to distribute freebies among women? In the government whose minister was considering the public as 'beggars', the promise of giving Rs 3000 under the 'Laadli Bahina' scheme is incomplete. The BJP-Mahayuti government of Maharashtra has had to delete the names of 5 lakh women under the 'Laadki Bahina' scheme because the government does not have the budget. In fact, such freebies have made the average man useless, lazy and idle. Anyway, a concrete decision should be taken on this subject.

Dealing with online filth is not easy, vulgar and obscene content will have to be banned

Every country may have made its own rules and regulations regarding obscene content, but online platforms have proved them meaningless. It is a blatant lie that online platforms are sensitive towards vulgarity and pornography. They may make such claims, but the truth is that their effort is to make more and more people watch such content. The case of a very vulgar comment made by another YouTuber Ranveer Allahabadia during the India's Got Latent program on comedian Samay Raina's YouTube channel was again heard in the Supreme Court. The Supreme Court allowed Ranveer Allahabadia to start his podcast, but it reprimanded Samay Raina a lot, because the judges were informed that Raina had taken a dig at the proceedings of the apex court during his Canada tour. Mumbai and Guwahati police are also investigating this matter. It is difficult to say what conclusion it will reach. It is difficult to say what the Supreme Court will do in this case, but for now it seems that it has adopted a tough attitude. It again asked the government to regulate the content of YouTube channels and other online platforms. How serious it is on this issue can be known from the fact that it asked the government to prepare a draft for it. If the government takes any initiative in this direction as per the Supreme Court's instructions, then there may be a hue and cry against it saying that it may affect the freedom of expression. Although the Supreme Court has said that the measures of regulation should not seem like censorship, but there are high chances that any initiative of the government in this direction will definitely raise questions that freedom of expression is being obstructed. Everyone knows that freedom of expression is not unlimited, but it is always difficult to decide when the limit is crossed. It is not easy to determine what is objectionable and what is not, because what is vulgar for one is humor for another. What is objectionable or insulting for someone is the truth for others. Similarly, what is vulgar and obscene for some is 'cool' for others. It is not hidden from anyone that many people are also opposing the action taken against Samay Raina, Ranveer Allahabadia and their colleagues. Their argument is that how can someone be put in jail for obscenity? Some are saying that the police and the court are wasting their time in this matter and after all Raina and Allahabadia did not invite people to watch their show. Some people are also asking whether problems like poverty and unemployment will be solved by sending Raina, Allahabadia etc. to jail. What they mean to say is that the police or the court should not get into this mess. Should they really not get into it? There is no direct answer to this either, but it is certain that many comedians, influencers etc. are spreading vulgarity and obscenity online, ignoring it will not solve any problem. This also does not mean that putting Raina, Allahabadia etc. in jail is the right solution to the problem. It is difficult to support those who want to ignore vulgar online content in the name of freedom of expression, because many so-called comedians and influencers are serving filth on online platforms. By doing this, they are not only making money but also getting publicity and fame. They are being invited as participants or guests in TV shows. Samay Raina appeared in Kaun Banega Crorepati some time back. Anyone can understand that he was invited so that the viewership of Kaun Banega Crorepati increases. Even though such people are called influencers, it is difficult to understand whether they influence people or are adversely affected? Platforms like YouTube, Instagram, Twitter (X) are full of vulgar, obscene content. Every country may have made its own rules and laws regarding obscene content, but online platforms have proved them meaningless. It is a blatant lie that online platforms are sensitive towards vulgarity and obscenity. They may claim so, but the truth is that their effort is to make more and more people watch such content. This is because these platforms have given them a free hand. These platforms shrug off the responsibility by saying that they are just a medium, that is, their work is like that of a postman. This is why these platforms are used by hateful and anarchic elements as well as terrorists. It would not be wrong to say that online platforms are unbridled and they do not care about any rules and laws. This is why they have become the biggest source of fake news. Now when it is being awaited what the government and the Supreme Court do in the matter of spreading vulgarity, then it will also have to be seen what the society does, because the kind of content that is watched more on online platforms is the same that is circulated more. Since vulgar content is being watched, that is why it is also being served.

Due to the desire to go to the West, the hope of getting proper opportunities and respect

With some exceptions, our intellectuals do not even have an understanding of policy-making and good governance. They rely on sloganeering. Then which country would want a crowd of such people? It is natural that the American administration also wants to keep only the deserving Indians and strictly expel the rest. We should be concerned about improving our own house. It is self-deprecating to criticize others. The sentiments of many people in our country are being hurt when Indians living or entering America illegally are being expelled from there. The manner in which people are being sent from there is hurtful. Meanwhile, the basic point is being neglected that why are people leaving India in large numbers? The common understanding is that people go for employment, but the youth from affluent families also want to go to America and Europe. Such people do not have any particular problem of livelihood here. In fact, among the Indians going to America or Europe, very few people go there with any appointment letter. Most of them go there for studies and then start some small job. Many times this is done by violating the rules there. For most Indians who go to Canada, course admission is just an excuse. They go there with the intention of staying there.

A form of the same process is seen here in the country too. In every village, countless parents, while educating their children, want them to go out and work in places like Delhi, Mumbai, Bangalore etc. Whereas Indians settled in Delhi-Bengaluru aspire for their children to go and live in Europe-America and make such plans. This entire process is like choosing for migration. This is a silent display of collective distrust against their society, their system. People want to leave their society and country by using their resources, intelligence and hard work and go to a place which seems more organized and provides opportunities. This point is worth considering. India is not a poor country, but it is suffering from mismanagement. Otherwise, the amount of wealth that upper middle class Indians have is not seen in many European countries, but our general political, administrative, educational systems are in a bad state, which discourages. These systems do not respect merit or wisdom.

Educational institutions are either a formality or a pure business. So, talents are left to God's mercy. In other fields too, there is a system of giving and taking almost every opportunity or position on some other basis. That is why people are migrating abroad, where there is hope of getting proper opportunity and respect. To call it people's greed is like insulting them. Independent India created such a system which has no imagination of its own. That is why it is indifferent to virtue, talent and merit. America created such a system which welcomes virtue, talent and merit from all over the world. Now showing all the anger on the way illegal Indians are sent from America is like giving relief to those Indians. In fact, our arrogance and uselessness are two sides of the same coin. With the same attitude with which we boast or criticize others, we shirk every responsibility by putting it on someone else. From security to education, medical care, daily administration and justice system, in every matter, party politics, blaming others and rhetoric are our main discussions. This has been going on in India for a long time. Blaming others and considering oneself automatically afflicted, right or superior. This is easy. One does not have to put in the effort of any concrete test for this.

In this process, there is such a triple illusion of hatred-condemnation-comfort that we ignore even the biggest truth like the elephant visible in front of us. Whatever we regularly claim in our discussions, our actual behavior shows the exact opposite of it. Our entire life, from leaders to intellectuals, students and managers, i.e. policy, industry, education, art, lifestyle, gestures, sports, entertainment etc. is mainly driven by foreign ideas, objects, language, style, models etc. Does this not clearly show that we also consider American-European things, ideas, solutions, books, films, music and sports etc. to be superior? For that, do you want to leave everything, your knowledge, philosophy, rules and regulations, language and culture, even the country forever and settle in America or Europe? You want to send your children there and settle there by investing all your intelligence, hard work and money. This is a practical point. Even a small child does better than the two things available to him.

Therefore, it is appropriate to make truth and behavior the criterion. Then it will be seen that most Indians are ready to adopt America and Europe, because we have not been able to make anything of ours comparable. The question is, if any Swadeshi discriminates, neglects, oppresses us, etc., then is that acceptable? Whereas if a foreigner behaves in the opposite way, will we not accept it? To this, millions of our people give priority to migration abroad as soon as they get the opportunity. This is the intense process of leaving the country and settling in Europe, America or Australia. What else is this except happily accepting their culture, their education, their rule? They even suffer for this. That is, not only is that culture and governance better, but many Indians are ready to undergo long penance to become its citizens, to live there even without citizenship. Without any invitation or pressure. To attribute this to mere greed is an insult to those Indians whom we first do not give proper opportunity or place, and then we do not want them to be treated as citizens. They make fun of the talent and hard work of the people. They are indifferent to facts and evidence. Our intellectuals, with few exceptions, do not even understand policy-making and good governance. They rely on sloganeering. Then which country would want a crowd of such people? It is natural that the American administration also wants to keep only the deserving Indians and strictly exclude the rest. We should be concerned about improving our own house. Criticizing others is self-abasement.

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फंदे पर झूलकर की आत्महत्या, तीन माह पहले हुई थी शादी

मुरादाबाद- कटघर थाना क्षेत्र में पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली। उसका शव

कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।थाना कटघर क्षेत्र के गुलाबबाड़ी पुराना शिव मंदिर इलाके में रहने वाला आनंद (25) पुत्र संतोष प्राइवेट नौकरी करता था। बताया गया कि तीन माह पहले उसकी शादी संभल निवासी युवती से हुई थी। बहन मनीषा ने बताया कि आनंद की पत्नी फोन पर किसी से बात करती थी, जिसको लेकर दोनों में विवाद रहता था। गुरुवार रात में दोनों में झगड़ा हुआ। उसी के कुछ देर बाद आनंद ने कमरे में फंदा लगा लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक विभाग की फील्ड यूनिट बुलाकर जांच पड़ताल कराने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आनंद अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी मौत के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। थाना कटघर प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि एक युवक का शव फंदे पर लटका मिला है। उसका पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर जांच करके आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

साले ने वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में की पोस्ट, लोगों ने जीजा को पीटा, एक ही समुदाय के दोनों पक्ष

मुरादाबाद- गुन्नौर में वक्फ संशोधन बिल को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि बिल का समर्थन करने पर युवक को तमंचे की बट से पीटा गया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है। गुन्नौर कस्बे की अबू वकर मस्जिद पर मगरिब की नमाज के बाद वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान एक समुदाय के दो पक्ष भिड़ गए। एक पक्ष ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन करने पर दूसरे पक्ष के युवक को तमंचे की बट मारकर घायल करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है।पुलिस ने घायल को मेडिकल के लिए भेजा। कस्बा निवासी जाहिद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि शाम चार बजे करीब अपना टीवी ठीक कराने मुबीन मिस्त्री के घर गया था। जब वह मिस्त्री के घर से बाहर निकला तो उसकी पहचान के दो युवकों के साथ अन्य पांच युवकों ने उसे घेर लिया। इसके बाद गाली गलौज व मारपीट करने लगे। पीड़ित का कहना कि उनके साले ने वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में पोस्ट डाली थी।जिस कारण उन युवकों ने उसके साथ मारपीट की। साथ ही उस पर तमंचे से फायर किया, जिसमें वह बाल-बाल बच गया। आरोप है कि युवकों ने उसे तमंचे की बट मारकर घायल कर दिया। कोतवाली प्रभारी अखिलेश प्रधान ने बताया कि वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान दो पक्षों में मारपीट की सूचना मिली है। एक पक्ष की तहरीर मिली है। बालिका के साथ छेड़खानी करने वाले शिक्षक को भेजा जेल-धनारी में सात वर्षीय बालिका के साथ छेड़खानी करने वाले आरोपी शिक्षक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया गया। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बाबू राम गौतम ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी थी। जिसमें कहा था कि उसकी बेटी कक्षा तीन की छात्रा है। वह घर के सामने खेल रही थी। तभी ट्यूशन पढ़ाने वाला युवक मोनू पीड़ित के घर के पास से गुजर रहा था। उसने बच्ची को अकेला पाकर उसे गोद में उठा लिया और उसके साथ छेड़खानी करने लगा। बेटी के रोने पर शिक्षक मौके से भाग निकला। घर पहुंचकर बालिका ने परिजनों को आपबीती बताई। प्रभारी निरीक्षक ने बताया की आरोपी को बुधवार को गांव उधरनपुर अजमत नगर के पास बने पुल से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसका जेल भेज दिया गया।

जामा मस्जिद पर हवन करने की कोशिश, दिल्ली से पहुंचे हिंदुवादी संगठन के लोग, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुरादाबाद- संभल की जामा मस्जिद में जुमा नमाज के दौरान अखिल भारत हिंदू महासभा के छह कार्यकर्ता हवन करने पहुंच गए। समय रहते पुलिस ने सभी को मस्जिद के पास से हिरासत में ले लिया। शांति भंग करने के आरोप में केस दर्ज कर सभी का चालान कर दिया गया।संभल में फिर एक बार माहौल खराब करने का प्रयास किया गया। शुक्रवार को शाही जामा मस्जिद में जुमा नमाज के दौरान हिंदू संगठन के कार्यकर्ता पूजा करने के लिए पहुंच गए। यह देख पुलिस के हाथ पांव फूल गए। पुलिस ने तुरंत सभी को हिरासत में ले लिया। इसके बाद केस दर्ज उन्हों गिरफ्तार कर लिया है।पहले भी आरोपी एसडीएम कोर्ट में यज्ञ कर चुके हैं। संभल की शाही जामा मस्जिद में शुक्रवार की दोपहर जुमा की नमाज अदा की जा रही थी। सीओ अनुज चौधरी समेत भारी पुलिस बल मस्जिद के आसपास सुरक्षा की दृष्टि से मुस्तैद थे। इसी दौरान अखिल भारत हिंदू महासभा के छह लोग मस्जिद में पूजा करने के लिए पहुंच गए। पुलिस को जैसे ही भनक लगी तो सभी कार्यकर्ताओं को मस्जिद से 100 मीटर पहले पिछले हिस्से पर रोक लिया। सीओ ने जब सभी से यहां आने का कारण पूछा तो बताया कि वह मस्जिद में हवन करना चाहते हैं। इसी बीच डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई भी पहुंच गए। एसपी के आदेश के बाद पुलिस ने सभी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कोतवाली में सभी के खिलाफ शांति व्यवस्था बिगाड़ने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद सभी का चालान कर दिया गया। शाही जामा मस्जिद में पूजा अर्चना के लिए आ रहे अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया गया है। पूर्व में भी इन्हें हिदायत दी गई, लेकिन इसके बाद भी माहौल खराब करने का प्रयास किया गया। सभी के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर चालान किया गया है। -कृष्ण कुमार विश्नोई, एसपी संभल

रामनवमी पर सत्यव्रत चौकी का लोकार्पण संभव, राजस्थानी पत्थर पर उकेरी गई आकृति...लिखा गया यह श्लोक

मुरादाबाद- संभल की जामा मस्जिद के पास बन रही सत्यव्रत पुलिस चौकी का लोकार्पण रामनवमी पर हो सकता है। चौकी के मुख्य गेट पर महाभारत के रथ की आकृति और गीता श्लोक आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दो मंजिला, हाईटेक और सुरक्षा की दृष्टि से पूरी तरह सुसज्जित यह चौकी तैयार की जा रही है। संभल की जामा मस्जिद के पास सत्यव्रत चौकी का लोकार्पण रामनवमी पर हो सकता है। बृहस्पतिवार को एएसपी श्रीश्चंद्र पुलिस चौकी का निरीक्षण करने पहुंचे और तेजी से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। जिले का कंट्रोल रूम सत्यव्रत पुलिस चौकी में बनेगा। संभल में 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान बवाल के बाद मस्जिद के पास सत्यव्रत चौकी का निर्माण का निर्णय लिया गया था।इस पुलिस चौकी को सुरक्षा बढ़ाने के लिहाज से तैयार कराया गया है। दो मंजिला इस इमारत में कई कक्ष बनाए गए हैं। जिससे पर्याप्त फोर्स के ठहरने की व्यवस्था भी रहे। भवन को सुसज्जित और हाईटेक बनाया जा रहा है। जिले का कंट्रोल रूम भी इसी चौकी में बनेगा। पुलिस चौकी में महाभारत के रथ की आकृति मुख्य गेट के सामने तैयार कराई गई है।यह आकृति राजस्थानी पत्थर से तैयार हुई है और कारीगर को भी राजस्थान से ही बुलाया गया है। इस आकृति को कारीगर द्वारा संवारा जा रहा है। कारीगर योगेश शर्मा ने बताया कि फिनिशिंग का काम किया जा रहा है। इसको तैयार होने में 15 दिन का समय लगा है। इस आकृति में गीता के चौथे अध्याय से लिया गया भगवान श्री कृष्ण का प्रसिद्ध श्लोक भी लिखा गया है।गीता का श्लोक महाभारत के रथ के साथ लिखा पुराणों में उल्लेख मिलता है कि कलियुग में भगवान का अवतरण संभल में होगा। सत्यव्रत पुलिस चौकी में गीता के चौथे अध्याय से लिया गया श्लोक लिखा है। जिसमें भगवान श्रीकृष्ण अपने अवतार लेने के उद्देश्य और कारण अर्जुन को बताते हैं। यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्गवति भारत, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्। परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्, धर्म संस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे ।। इसका अर्थ है = जब-जब धर्म की हानि होती है, हे भारत, और अधर्म में वृद्धि होती है, तब-तब मैं अपने रूप को प्रकट करता हूं। साधुओं के उद्धार और दुष्कर्मियों के विनाश के लिए, तथा धर्म की पुनर्स्थापना के लिए, मैं हर युग में प्रकट होता हूं।चार चौकियों का किया गया शिलान्यास संभल जिले में पुलिसिंग व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए चौकियों की स्थापना कराने का काम जारी है। बृहस्पतिवार को संभल सर्किल क्षेत्र में चार चौकियों का शिलान्यास हुआ। जल्द ही यह चौकियां बनकर तैयार होंगी। कैलादेवी थाना क्षेत्र के गांव लखनपुर और खिरनी मोहिउद्दीनपुर में पुलिस चौकी का निर्माण किया जाएगा। संभल-गंवा मार्ग किनारे पुलिस चौकी का शिलान्यास चौकी प्रभारी संदीप कुमार मलिक ने विधिवत पूजा अर्चना के बाद किया। गांव लखनपुर में रोड किनारे पुलिस चौकी का शिलान्यास मनोज कुमार ने किया। हयातनगर थाना क्षेत्र के गांव चंदायन में पुलिस चौकी का शिलान्यास आरएसएस के विभाग कार्यवाह छत्रपाल ने कराया।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में जुम्मे की नमाज को लेकर पुलिस हाई अलर्ट, ड्रोन से निगरानी

मुरादाबाद- वक्फ संशोधन बिल के पारित होने के बाद मुरादाबाद में शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। खासतौर पर जमा मस्जिद इलाके में सुबह से ही भारी पुलिस बल तैनात किया गया। शहर को शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए पुलिस हाई अलर्ट पर रही। एसपी सिटी रणविजय सिंह ने खुद ड्रोन कैमरे की मदद से इलाके की निगरानी की। पुलिस की सख्ती और सजगता के बीच जुम्मे की नमाज शांतिपूर्वक अदा की गई। एसपी सिटी रणविजय सिंह ने बताया कि त्योहारों और संवेदनशील हालातों को देखते हुए मुरादाबाद पुलिस लगातार सतर्क है। शहरभर में रोजाना फ्लैग मार्च किया जा रहा है और माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले किसी भी शरारती तत्व को बख्शा नहीं जाएगा।

जिला अस्पताल के वॉशरूम में महिला की वीडियो बनाई, परिजनों ने मनचले को खूब पीटा, पुलिस को सौंपा

मुरादाबाद- बेटी वॉशरूम में गई तो एक युवक ने रोशनदान से अंदर का वीडियो बना लिया। महिला को भनक लगी तो उसने चिल्लाना शुरू किया। मुरादाबाद के जिला अस्पताल के हड्डी वार्ड में भर्ती एक बुजुर्ग के कूल्हे का ऑपरेशन होना है। बृहस्पतिवार को उनकी बेटी व दामाद उन्हें भर्ती कराने अस्पताल पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी बेटी वॉशरूम में गई तो एक युवक ने रोशनदान से अंदर का वीडियो बना लिया। महिला को भनक लगी तो उसने चिल्लाना शुरू किया।आरोप है कि महिला बाहर निकली तो आरोपी यूसुफ ने उसके साथ छेड़छाड़ की। शोर सुनकर वॉशरूम के बाहर खड़े महिला के पति ने आरोपी को पकड़ लिया। मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। भीड़ ने आरोपी की पिटाई की।इसके बाद महिला के परिजन आरोपी को लेकर सिविल लाइंस थाने पहुंचे। वहां महिला के पति की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। सिविल लाइंस थाने के प्रभारी मनीष सक्सेना ने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक आरोपी के मोबाइल से कुछ और इसी तरह की वीडियो मिली हैं। उससे पहले भी जिला अस्पताल के आसपास घूमते देखा गया है

जामा मस्जिद के सदर जफर अली की जमानत अर्जी फिर खारिज, कोर्ट ने दी अगली तारीख

मुरादाबाद- जामा मस्जिद के सदर जफर अली को जमानत याचिका कोर्ट ने रद्द कर दी है। जफर अली को संभल में हुए दंगे भड़काने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल वह मुरादाबाद जेल में बंद हैं संभल की जामा मस्जिद के सदर जफर अली एडवोकेट की जमानत याचिका कोर्ट ने फिर से खारिज कर दी गई है। सदर जफर अली दंगे भड़काने के आरोप में 23 मार्च से जेल में हैं। इसको लेकर जिले के अधिवक्ता आंदोलन भी कर रहे हैं। शुक्रवार को जफर अली एडवोकेट की जमानत अर्जी की सुनवाई अपर जनपद न्यायाधीश (एमपी एमएलए सेशन कोर्ट) निर्भय नारायण राय के न्यायालय में हुई। सुनवाई के दौरान परिसर में पुलिस का कड़ा पहरा रहा।जफर अली के बेटे व रिश्तेदारों से अशांति का खतरा, पुलिस ने किया पाबंद- जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली के बेटे हैदर अली, भाई मोहम्मद ताहिर एडवोकेट, कमर हुसैन, भतीजे नाजिश और दानिश से अशांति का अंदेशा है। इसके चलते कोतवाली पुलिस ने सभी को एक-एक लाख रुपये के मुचलकों से पाबंद करते हुए नोटिस दिया है। कहा कि है कि यदि माहौल बिगड़ता है तो इन्हें जिम्मेदार माना जाएगा। वहीं, दूसरी ओर अशांति के अंदेशे में शहर के 1800 लोग पहले से पाबंद किए जा चुके हैं। इसमें सांसद जियाउर्रहमान बर्क व उनके पिता ममलुकुर्रहमान बर्क शामिल हैं। जफर अली 24 नवंबर को हुए बवाल कराने की साजिश समेत कई गंभीर आरोप में जेल भेजे जा चुके हैं। उनके बड़े भाई मोहम्मद ताहिर ने भी पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों पर सवाल उठाए थे।जिससे अशांति का अंदेशा पैदा हुआ। एसआईटी के दरोगा आशीष तोमर की ओर से यह कार्रवाई की गई है। बताया कि अशांति के अंदेशे में जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली के परिवार के सदस्यों को एक-एक लाख रुपये के मुचलके से पाबंद किया गया है। साथ ही नोटिस भी तामील करा दिया गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

दो लाख रुपए के लिए पुलिसकर्मियों ने युवक को किया अगवा, फिर मांगे रुपए

एसएसपी ने चौकी प्रभारी समेत तीन को किया सस्पेंड

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। बरेली जिले के फतेहगंज पश्चिमी कस्बे में वर्दी की आड़ में पुलिस कर्मियों का वसूली का मामला सामने आया है। स्मैक तस्करी के लिए पहले से चर्चित इस क्षेत्र में एक युवक को फर्जी आरोप में फंसाकर पुलिसकर्मियों द्वारा दो लाख रुपये की मांग की गई। मामले की जांच के बाद एसएसपी ने तीनों आरोपी पुलिसकर्मियों को निलंबित कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। घटना बीती रात की है, जब फतेहगंज पश्चिमी चौकी प्रभारी बलवीर सिंह, सिपाही मोहित चौधरी और हिमांशु, भिटौरा गांव निवासी किसान बलवीर के घर पहुंचे। परिजनों के अनुसार, पुलिसकर्मियों ने बिना वारंट घर में घुसकर तलाशी ली, सामान बिखेर दिया और बलवीर को जबरन उठा ले गए। पीड़ित का आरोप है कि बलवीर को एक निजी आवास में ले जाकर बंद कर दिया गया और परिजनों को सूचना दी गई कि वह स्मैक तस्करी में शामिल हैं। उन्हें छोड़ने के बदले दो लाख रुपये की मांग की गई। बलवीर के परिवार ने तत्काल आईजी और एसएसपी बरेली से संपर्क किया। साथ ही घटना की जानकारी दी। जिस पर एसएसपी ने तीनों आरोपियों को किया निलंबित कर दिया। बताते चलें कि एसएसपी के निर्देश पर सीओ हाईवे मौके पर पहुंचे तो आरोपी पुलिसकर्मी भाग निकले। इसके बाद बलवीर को छुड़ाया गया। जांच में आरोप सही पाए जाने पर फतेहगंज पश्चिमी चौकी प्रभारी समेत तीनों पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज कर दी गई। एसपी उत्तरी मुकेश मिश्रा ने बताया कि तीनों को निलंबित कर दिया गया हैं। साथ ही आरोपियों की तलाश जारी है।

तीन महिलाओं सहित दस पुरुष गिरफ्तार पॉश इलाके के कैफे में रातभर चली कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। पॉश इलाके डीडीपुरम में कैफे की आड़ में न केवल हुक्का बार चल रहे थे, बल्कि युवाओं को शराब भी परोसी जा रही थी। बीती रात आठ बजे से पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने यहां छापा मारी शुरू की, जो शुक्रवार तड़के पांच बजे तक चलती रही। इस दौरान हुक्का बारों से तीन महिलाओं व 10 पुरुषों को गिरफ्तार किया गया। नौ हुक्का, 10 बोतल अंग्रेजी शराब और 11 मोबाइल बरामद किए गए। आबकारी निरीक्षक सुधांशु चौधरी ने 12 नामजद और तीन अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। नायब तहसीलदार विधिक कुमार सिंह ने सात हुक्का बार सील कर दिए हैं। आबकारी निरीक्षक सुधांशु चौधरी का कहना है कि उनको बृहस्पतिवार रात सूचना मिली कि प्रेम नगर थाने के डीडीपुरम में कैफे की आड़ में हुक्का बार चल रहे हैं। अधिकारियों को सूचना दी और वह आबकारी टीम के साथ डेलापीर पुलिस चौकी पहुंचे। वहां से पुलिस फोर्स को साथ लिया। पुलिस ने कई अन्य कैफों पर भी छापा मारा गया। कार्रवाई होता देखकर आसपास के कैफे संचालक कैफे बंद करके भाग गए। सूचना पर प्रशासनिक टीम भी आ गई। नायब तहसीलदार विधिक कुमार सिंह ने सात हुक्का बार को सील कराया है। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि गोपनीय हेल्पलाइन नंबर पर सूचना मिली थी कि डीडीपुरम में कुछ हुक्का बार चल रहे हैं, जिनमें अवैध रूप से हुक्का, शराब नाबालिगों को भी परोसी जा रही है। इस पर टीम बनाकर कार्रवाई की गई। मौके से 13 लोगों हिरासत में लिया गया है। इनमें तीन महिलाएं हैं।

आसिफ से बना आशीष ने छात्रा को प्रेम जाल में फसा कर होटल में ले जाकर किया दुष्कर्म ,मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली।फरीदपुर बरेली। तहसील क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 19 वर्षीय हिंदू दलित छात्रा के साथ एक मुस्लिम युवक ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसा कर खुद के फर्जी दस्तावेज तैयार कर अपने को हिंदू युवक दर्शाकर कई महीने तक करता रहा शारीरिक शोषण। शादी का झांसा देकर गुरुवार को उसे एक होटल में ले जाकर उसके साथ किया दुष्कर्म। असलियत खुलने पर छात्र की सूचना पर उसके परिजनों ने उसकी पुत्री के साथ लव जिहाद का आरोप लगाते हुए आरोपी युवक के खिलाफ थाना फरीदपुर पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। तहसील क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 19 वर्षीय छात्रा के पिता ने थाना पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पुत्री फरीदपुर में राजकीय डिग्री कॉलेज में पढ़ती है वह बृहस्पतिवार को घर से कॉलेज में पढ़ने आई हुई थी पढ़ने के बाद जब वह समय पर घर नहीं पहुंची तो उसकी तलाश करने फरीदपुर पहुंचे तो उन्हें उनकी पुत्री एक रेस्टोरेंट के पास सड़क के किनारे खड़ी हुई मिली जिससे मैंने समय पर घर न पहुंचने का कारण पूछा तो उसने बताया कि मैं पिछले तीन-चार महीने से एक लड़के को जानती हूं जिसका नाम आसिफ कुरेशी है फरीदपुर का रहने वाला है वह मुझे अपना नाम आशीष कुमार साहू बताकर मिला था और उसने फर्जी आधार कार्ड भी आशीष कुमार साहू नाम से बनवा लिया था और अपने प्रेम जाल में फंसा लिया था।वह मुझे बृहस्पतिवार को समय लगभग 12=00 बजे वहला फुसलाकर एक शाहजहांपुर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक ढाबे पर ले गया था और मेरी मर्जी के बिना मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाएं। उसकी पुत्री को आज ही पता चला कि उपरोक्त युवक ने अपना धर्म छुपा कर आशीष कुमार साहू के नाम से मिला था जिसने मेरे साथ जबरन दुष्कर्म कर फरार हो गया। छात्रा के परिजनों ने घटना की तहरीर थाना पुलिस को देकर आरोपी युवक के खिलाफ अपना धर्म छुपा कर फर्जी आधार कार्ड आशीष कुमार साहू के नाम से बनवाकर उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज कराया है। वही इसकी सूचना जैसे ही हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं को हुई तो उन में आक्रोश फैल गया और इस घटना पर कड़ा रोष व्यक्त करते हुए थाना पुलिस से शीघ्र ही आरोपी युवक के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है। वहीं पुलिस ने छात्रा को मेडिकल के लिए भेज दिया और आरोपी युवक को जेल भेज दिया।

न्याय पंचायत कुंवरपुर बंजरिया में उत्सव मनाकर बांटा गया परीक्षाफल,पाकर खुश हुए छात्र -छात्राएं

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालय कुंवरपुर बंजरिया में प्राथमिक विद्यालय नवीन में शुक्रवार को वार्षिकोत्सव, विदाई समारोह, परीक्षाफल वितरण, पुस्तकें वितरण, प्रशस्ति पत्र, एवं पुरस्कार वितरण समारोह में न्यायपंचायत के प्राथमिक डंडिया,सावरखेड़ा,सिंघाईमुरावान, प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का सुरेन्द्र पटेल, प्राथमिक शिक्षक संघ प्रधानाचार्य कृष्ण अवतार सक्सेना, ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र किया। छात्र -छात्राओं ने मां सरस्वती देकर अतिथियों का आशीर्वाद प्राप्त मनोहारी कार्यक्रम डांस, रंगोली अतिथियों, अभिभावकों को मंत्रमुग्ध प्रगति रिपोर्ट पेश करते हुए शैक्षणिक, रूप से निपुण होने पर हर्ष जताया। ने किया।इस मौके पर शालिनी विद्यालय बंजरिया, तिवरिया, आदि विद्यालयों के शिक्षक -शिक्षिकाओं ने शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य किरन पटेल, के जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार,केसी पटेल, डॉ विनय कुमार, रामप्रकाश शर्मा दीपमाला, पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना एवं स्वागत गान की मनमोहक प्रस्तुति किया। छात्र -छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, देवी गीत सुनाकर कर दिया। प्रधानाचार्य ने विद्यालय की वार्षिक सांस्कृतिक, कार्यक्रमों के साथ विद्यालय पूर्ण कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ विनय कुमार सक्सेना,सुदक्षिणा, ममता वर्मा, अमनप्रीत, पूजा गंगवार, नरेंद्र प्रताप, अनमोल सक्सेना,अनामिका,रचना सैनी,निहारिका सिंह,पूजा वाजपेई, रेनू सक्सेना, नानकचंद,उत्तम कुमार,गीता शर्मा,पूनम सक्सेना,राजकुमारी गंगवार सहित भारी संख्या में शिक्षक अभिभावक मौजूद रहे।

स्कूल चलो अभियान रैली को हरी झंडी दिखाकर की शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- बिथरी।ब्लॉक बिथरी चैनपुर के कंपोजिट विद्यालय में शुक्रवार को स्कूल चलो अभियान की शुरुआत प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार, मांडलिक मंत्री के0 सी0 पटेल ने हरी झंडी दिखाकर की शुरुआत, और ग्रामीण जन अभिभावकों से कहा कि जो भी बच्चे जुलाई तक 06 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं। उन सभी का नामांकन हमारे स्कूल में प्रवेश दिलाएं, सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं को प्राप्त करते हुए अच्छी शिक्षा प्राप्त कराएं रैली का नेतृत्व वरिष्ठ टीचर कुसुम लता ने किया साथ में मिथिलेश यादव, प्रियदर्शनी शर्मा, तबस्सुम अतीक, दिव्या अग्रवाल, सोनी गंगवार, नरेश चन्द्र, सुरैया परवीन, सरिता, अंकिता, सुबोध, प्रभात रश्मि, रेखा शर्मा और सुहेल आदि शिक्षकों ने अभिभावकों से सम्पर्क कर नामांकन के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया।

संभल हिंसा में खुलासा: सांसद बर्क ने कहा था- हमारी कौम हमीं पर थूकेगी, सुबह किसी हाल में सर्वे नहीं होना चाहिए

अधिवक्ता ने बताया- केस डायरी में स्पष्ट है कि साजिशन 24 नवंबर को बवाल कराया गया था - सांसद बर्क ने कहा था- मैं बंगलूरू में हूं, सुबह किसी हाल में सर्वे नहीं होना चाहिए24 नवंबर को संभल जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में नामजद आरोपी सांसद जियाउर्रहमान बर्क की अब मुश्किल बढ़ गई हैं। जामा मस्जिद कमेटी

के सदर जफर अली के बयान में पुष्टि हुई है कि सांसद ने ही उन्हें कहा था कि भीड़ को एकत्र कराना है और कोर्ट कमीशन को सर्वे करने नहीं देना है। इसके चलते ही भीड़ एकत्र हुई और बवाल हो गया था। जिसमें पांच लोगों की जान गई और 29 पुलिस कर्मी घायल हो गए थे।%सर्वे होगा तो संभल में हमारी कौम हमीं पर थूकेगी% सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता हरिओम प्रकाश उर्फ हरीश सैनी ने बताया कि जफर अली की पुलिस ने केस डायरी न्यायालय में दाखिल की है। इस केस डायरी के अनुसार बवाल की साजिश 23 नवंबर की मध्यरात्रि ही तैयार हो गई थी। पुलिस की पूछताछ में जफर अली ने स्वीकार किया है कि रात को सांसद से फोन पर बात हुई थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं बंगलूरू में हूं। ऐसा करो कि सुबह किसी हाल में सर्वे नहीं होना चाहिए। अगर मस्जिद का सर्वे होगा तो संभल में हमारी कौम हमीं पर थूकेगी। तुम जामा मस्जिद के सदर हो आपके कहने से लोग इकट्ठा हो जाएंगे। अधिवक्ता ने बताया कि इसका पूरा जिक्र केस डायरी में दर्ज है। सदर द्वारा इंतजामिया कमेटी की बैठक कमेटी के कैशियर सुहेल खान के घर पर की गई थी। कई लोगों से बातचीत की और इसकी जिम्मेदारी भी दी गई थी। 24 नवंबर को जब सर्वे के लिए कोर्ट कमीशन की टीम पहुंची तो काफी भीड़ एकत्र थी।जामा मस्जिद कमेटी के सदर ने पुलिस के सात सवालों में एक सवाल का नहीं दिया जवाब जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली को 23 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। विवेचक द्वारा गिरफ्तारी से पहले पूछताछ की थी। जिसमें सात सवाल केस डायरी में भी दर्ज हैं। एक सवाल के जवाब में सदर ने पुलिस से कहा था कि उन पर दबाव था। पुलिस ने जब सवाल किया कि किसका दबाव था तो सदर ने जवाब नहीं दिया। चुप रहने का उल्लेख पुलिस ने केस डायरी में किया है। अन्य छह सवालों के जवाब सदर द्वारा दिए गए हैं।सांसद पर है भड़काऊ बयान देने का आरोप कोतवाल में दर्ज रिपोर्ट में सांसद पर भड़काऊ बयान देने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसमें विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल पर भीड़ को भड़काने का आरोप है। अब जामा मस्जिद कमेटी के सदर द्वारा जो जानकारी पुलिस को दी गई है, उसके आधार पर सांसद की मुश्किल बढ़ गई है। हालांकि पुलिस द्वारा बीएनएसएस की धारा 35 के तहत सांसद को नोटिस जारी कर दिया गया है। 8 अप्रैल को सांसद अपने बयान दर्ज कराने के लिए पुलिस के सामने भी पहुंचेंगे।शनिवार को न्यायिक जांच आयोग ने बयान दर्ज कराने के लिए सांसद को बुलाया बवाल के मामले में त्रि-सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग की जांच चल रही है। इस जांच में शनिवार को सांसद जियाउर्रहमान बर्क व विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल को भी बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया है। इसके लिए डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया को पत्र न्यायिक जांच आयोग द्वारा भेजा गया है। लखनऊ स्थित कार्यालय में सांसद व विधायक के बेटे को बयान दर्ज कराने के लिए जाना है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

युवक ने फंदे पर लटक कर दी जान

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ हरदुआगंज। कस्बा के मोहल्ला महाब्राम्हण में युवक ने घर के कमरे फंदे पर लटक कर जान दे दी। आत्महत्या का कारण स्वजनों द्वारा शराब पीने से रोकना बताया गया है। मोहल्ला महाब्राम्हण के कांति सिंह के दो बेटों में ऋषि कुमार बड़ा था। मोहल्ले के लोगों के मुताबिक ऋषि को शराब पीने की लत लग गई थी। स्वजनों शराब पीने मना करते हुए ऋषि से डांट फटकार कर दी थी जिससे क्षुब्ध 25 वर्षीय ऋषि ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और फंदे पर लटक गया। काफी देर तक कमरा नहीं खुलने पर स्वजनों ने शोर मचाते हुए पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा तब तक ऋषि की मौत हो चुकी थी। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा था। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी थी।

गर्भवती की पिटाई से पेट में पल रहे शिशु की मौत, मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ हरदुआगंज। कस्बे के मोहल्ला न्यू बोहरान में मंगलवार को दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई, जिसमें एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की गर्भवती महिला को बाल पकड़ कर जमीन पर पटक दिया और पेट में लात मारी। जिससे महिला के गर्भ में पल रहे आठ माह के शिशु की मौत ही गई। पुलिस ने इस मामले में तीन नामजद समेत कई अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाने से 100 मीटर दूर हाबुड़ा बस्ती के राधे ने बताया कि 30 मार्च को पड़ोसी लाखन पुत्र बदलू का कस्बे के रवि पुत्र रामपाल से झगड़ा हो रहा था जिसमें उसने बीच बचाव कर दिया। इसके बाद से ही लाखन चिढ़ गया और की सुबह अपने पिता रंजीत पुत्र मुन्ना, ससुर राजवीर और तीन साले व तीन अज्ञातों के साथ मिलकर घर पर हमला बोल दिया। सभी को लाठी डंडों से पीटा। 8 माह की गर्भवती मुस्कान के बाल पकड़कर जमीन पर पटककर पेट में लात मार दी। जिससे उसके पेट में पल रहे शिशु को मौत हो गई। मुस्कान का कस्बा के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

एसडीएम ने चटिया फैजू गौशाला का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- फरीदपुर बरेली। एसडीम फरीदपुर ने क्षेत्र में संचालित गौशालाओं की व्यवस्थाओं को परखने के लिए निरीक्षण अभियान की शुरुआत की है।इसी अभियान के तहत एसडीएम ने तहसील क्षेत्र के गांव चटिया फैजू में बनी गौशाला का आकस्मिक निरीक्षण किया। और गौशाला में व्यवस्थाओं की जांच पड़ताल की। गौशाला में एसडीएम को निरीक्षण के दौरान साफ सफाई न मिलने पर गौशाला संचालक पर कड़ी नारागी जाहिर की। और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को एसडीएम फरीदपुर मल्लिका नैन अपनी टीम के साथ तहसील क्षेत्र के गांव चटिया फैजू में बनी गौशाला का निरीक्षण किया। गौशाला में गायो के लिए हरा चारा भूसा एवं चोकर की जानकारी ली। गायों के रखरखाव एवं उनके स्वास्थ्य के बारे में भी जांच पड़ताल की। एसडीएम को निरीक्षण के दौरान गौशाला में साफ सफाई न मिलने पर नाराजगी जाहिर की। गौशाला में पानी एवं पर्याप्त रूप से साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने ,बीमार गौवसो के इलाज कराने गर्मी के मौसम में गोवंशों को लू से बचाने के ग्राम प्रधान को विशेष रूप से ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान क्षेत्रीय लेखपाल उपस्थित रहे।

सात लाख की ठगी का मामले में पंजाब नेशनल बैंक के बैंक मित्र को तीन साल की सजा

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- बरेली। अलीगंज थाना क्षेत्र के गैनी गांव निवासी चैतन्य बाबू सक्सेना, जो पंजाब नेशनल बैंक, गैनी शाखा के तहत बैंक मित्र के रूप में कार्यरत थे। उनको को सात लाख रुपये की ठगी के मामले में तीन साल की सजा और 10,000 रुपये का अर्थदंड सुनाया गया है। जानकारी के अनुसार बैंक मित्र ने ग्राहकों से जमा लिए गए ?7,06,000 रुपये।यह रकम बैंक में जमा करने के बजाय खुद रख लिए और उन्हें फर्जी रसीदें थमा दीं। जब ग्राहक अपने पैसे निकालने पहुंचे, तो ठगी का खुलासा हुआ। कंपनी ने दर्ज कराई थी रिपोर्ट शिकायत के बाद संतोष फिनलीज कंपनी की ओर से पांच साल पहले मुकदमा दर्ज कराया गया था। अभियोजन अधिकारी रवि प्रकाश मिश्रा ने बताया कि 17 पीड़ित ग्राहकों की गवाही और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया। अदालत का फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट विदिशा भूषण की अदालत ने आरोप सिद्ध होने पर तीन साल का कारावास और ?10,000 का जुर्माना लगाया। बताते चलें कि 5 वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद पीड़ित ग्राहकों को न्याय मिला।

कंपनी के कर्मियों ने 33 लोगों से 80 लाख रुपये की धोखाधड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद। रुपये जमा करके दोगुना करने का झांसा देकर एक कंपनी के कर्मियों ने 33 लोगों से 80 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर दी। समय पूरा होने पर जब रुपये मांगे, तब ठगी का अहसास हुआ। आरोपी मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ितों ने देर शाम पांचाल घाट चौकी पहुंचकर तहरीर दी है।कादरीगेट थाने के पांचाल घाट भगुआनगला निवासी दिनेश कुमार, देवेंद्र, रामपाल, सुखपाल सिंह, डॉ. आदित्य मिश्रा, पारस, पंकज शर्मा समेत बड़ी संख्या में लोग बुधवार शाम पांचाल घाट चौकी पहुंचे। उन्होंने 33 लोगों के नाम, पता मोबाइल नंबर सहित हस्ताक्षर करके सेंट्रल जेल निवासी चार लोगों के खिलाफ तहरीर शातिर किस्म के लोग अपने को एलयूसीसी कंपनी के कर्मचारी बताते थे। उन्होंने कई प्लान समझाकर एक, दो, तीन व छह साल के लिए लोगों से रुपये जमा कराए। सभी 33 लोगों के करीब 80 लाख रुपये जमा हुए हैं। आरोपियों ने दोगुने रुपये वापस करने का झांसा दिया। दिनेश कुमार ने बताया कि उनके साढ़े पांच लाख रुपये जमा हैं। अब समय पूरा हो गया, तो उन्होंने रुपये वापस मांगे। इस पर आरोपी टालमटोल करते रहे। जिस एक आरोपी को रुपये दिए थे, उससे अधिक कहने पर उसने झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। कादरीगेट इंस्पेक्टर आमोद कुमार सिंह ने बताया कि दो दिन पहले एक शिकायती पत्र दिया गया था। उन्होंने पांचाल घाट चौकी प्रभारी मोहित मिश्रा को जांच के लिए दे दिया है। वह विभागीय कार्य से बाहर गए हैं। धोखाधड़ी का मामला काफी बड़ा है। आते ही कार्रवाई की जाएगी।

चौधरी चरण विवि मेरठ- राजनीति विज्ञान के पेपर में आतंकी संगठनों से जोड़ा आरएसएस का नाम, हो गया बवाल

एमए राजनीति विज्ञान द्वितीय वर्ष के पेपर में आरएसएस की धार्मिक एवं जातीय पहचान को भी राजनीति से जोड़ा गया। पेपर बनाने वाली प्रो. सीमा पंवार ने माफी मांगी। मगर विवि ने उन्हें आजीवन के लिए डिबार कर दिया है।

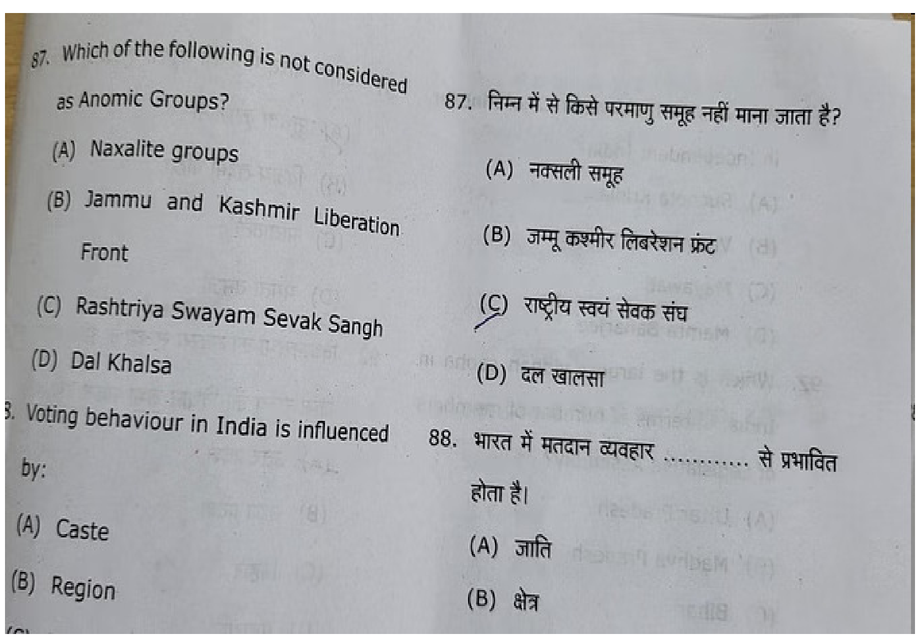

87. Which of the following is not considered as Anomic Groups?
(A) Naxalite groups
(B) Jammu and Kashmir Liberation Front
(C) Rashtriya Swayam Sevak Sangh
(D) Dal Khalsa

87. निम्न में से किसे परमाणु समूह नहीं माना जाता है?
(A) नक्सली समूह
(B) जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट
(C) राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ
(D) दल खालसा

88. Voting behaviour in India is influenced by:
(A) Caste
(B) Region

88. भारत में मतदान व्यवहार ……….. से प्रभावित होता है।
(A) जाति
(B) क्षेत्र

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की राजनीति विज्ञान की परीक्षा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर आपत्तिजनक प्रश्न पूछे जाने से बवाल मच गया है। प्रश्न पत्र में आरएसएस को कट्टरपंथी और आतंकी संगठनों के साथ जोड़ा गया था। इस मामले में विश्वविद्यालय ने कार्रवाई करते हुए प्रश्न पत्र बनाने वाली शिक्षिका को आजीवन के लिए डिबार कर दिया है।एमए राजनीति विज्ञान द्वितीय वर्ष के पेपर में आरएसएस की धार्मिक एवं जातीय पहचान को राजनीति और आतंकी संगठनों से जोड़ने पर हंगामा हो गया। संघ ने कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए सवाल को गलत बताया। एबीवीपी ने संघ पर पूछे सवाल को आपत्तिजनक करार देते हुए शुक्रवार को कैंपस में प्रदर्शन कर दिया। मामले बढ़ने पर विश्वविद्यालय ने समिति बनाते हुए जांच कराई। जिस पेपर में संघ पर सवाल पूछे गए थे, वह मेरठ कॉलेज में राजनीति विज्ञान की प्रोफेसर डॉ. सीमा पंवार ने बनाया था। इस घटना के बाद पेपर निर्माण प्रक्रिया भी सवालों में हैं। विश्वविद्यालय स्तर पर किसी ने पेपर चेक नहीं किया। प्रोफेसर ने माफी मांगी, कहा- मेरी मंशा गलत नहीं थी प्रो. सीमा पंवार ने विश्वविद्यालय से लिखित में मांफी मांगते हुए कहा कि उनकी मंशा गलत नहीं थी। वह पेपर में दर्ज सवाल पर क्षमा मांगती हैं। उन्होंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया। सीसीएसयू ने किया आजीवन डिबार- रजिस्ट्रार धीरेंद्र वर्मा के अनुसार प्रो. सीमा पंवार को विश्वविद्यालय ने बतौर परीक्षक आजीवन डिबार कर दिया है। भविष्य में उनसे पेपर से जुड़ा कोई काम नहीं लिया जाएगा। रजिस्ट्रार के अनुसार विश्वविद्यालय ने प्रकरण की सूचना मिलते ही जांच कराई और परीक्षक से स्पष्टीकरण मांगा। प्रोफेसर ने लिखित में गलती स्वीकार कर ली है। भविष्य में ऐसी गलती ना हो, इसका ध्यान रखा जाएगा।

गौशालाओं के नोडल अधिकारियों व पशु चिकित्सको के साथ बैठक की गयी

क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद। कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में में वित्तीय वर्ष 2025-26 में गौशालाओं के बेहतर संचालन के लिये गौशालाओं के नोडल अधिकारियों व पशु चिकित्सको के साथ बैठक की गयी। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि पूरे साल के लिये अभी भूसे की खरीद कर स्टोर बना कर रखे, गौवंश के खाने के लिये चरी व हरा चारा बोये, कृषि विभाग गौशालाओं को चारे का बीज उपलब्ध कराये, गौवंश को लू से बचाव के इंतजाम करें, छायादार पेड़ लगायें,नंदी व गायों को अलग-अलग बाड़ो में रखे, गौवंश का नियमित टीकाकरण कराये, गौवंश का नियमित चिकित्सीय परीक्षण कराये, सभी गौवंश की ईअर टैगिंग कराये, सभी गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगवायें। डीएम ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया कि प्रतिदिन आवारा गौवंश को पकड़ने की व्यवस्था करे। मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द कुमार मिश्रा आदि अधिकारी रहे7

वक्फ संसोधन बिल आनें के बाद पहली बार आये जुमे पर पुलिस एलर्ट मोड़ में रही

क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद। वक्फ संसोधन बिल आनें के बाद पहली बार आये जुमे पर पुलिस एलर्ट मोड़ में रही7 मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैंनात रहा7 जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी व एसपी आलोक प्रियदर्शी नें भी मोर्चा संभाला7 उन्होंने भ्रमलशील रहकर शांति व्यवस्था बनायें रखनें की अपील की7 संवेदनशील इलाकों में विशेष सतर्कता बरती गई। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट रहा। पुलिस ने सभी धर्मों के लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच नमाज का आयोजन सकुशल संपन्न हुआ।सोशल मीडिया पर भी पूरी निगरानी की जा रही है। माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मिश्रित आबादी के लिए संवेदनशील माने जाने वाले इलाकों में पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं पुलिस की गाड़ियां भी दनादन संवेदनशील स्थानों पर गश्त करती रहीं।

हाथ में 10 का नोट, आंख में आंसू- घर में चल रही थी आरती, बाहर बेटी को ले गया शैतान, 6 साल की बच्ची से दरिंदगी

दुष्कर्म के बाद हाथ में दस रुपये देकर कहा चुप रहना, बाइक से लाकर घर के पास छोड़ा - पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, थाना जखौरा के एक गांव में नवरात्रि के दिनों में हुई घटनायूपी के ललितपुर बांसी में जवारों की आरती के बाद घर के बाहर खेल रही एक छह साल की बच्ची को बहाने से ले जाकर पड़ोसी युवक ने दुष्कर्म किया। हाथ में 10 का नोट देकर किसी से कुछ न कहने की बात कहते हुए उसे घर के पास बाइक से छोड़कर भाग गया। पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। दुष्कर्म के बाद थमाया 10 का नोट थाना जखौरा अंतर्गत एक गांव में रहने वाली छह वर्षीय मासूम बच्ची गुरुवार की देर रात करीब 11 बजे जवारों की आरती के बाद अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान वहां पर गांव का एक युवक आया और मासूम को बहाने से अपने साथ बाइक पर बैठाकर ले गया। यहां आरोपी युवक ने मासूम के साथ दुष्कर्म किया। देर रात करीब 12 बजे आरोपी राहुल यादव 10 रुपये बच्ची के हाथ में देकर चुप रहने की बात कहकर घर के बाहर छोड़कर चला गया। बच्ची के कपड़ों पर लगा था खून परिजनों को बच्ची के कपड़ों पर खून दिखा। कारण पूछा तब बच्ची ने उसके साथ हुई पूरी घटना के बारे में बताया। नवरात्रि पर्व में छह साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात होने की खबर पर गांव वालों में हड़कंप मच गया। परिजनों ने बांसी चौकी पुलिस से शिकायत की। वहीं सूचना मिलने पर सीओ सदर और जखौरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पीड़ित बच्ची को जिला महिला अस्पताल पहुंचाया। यहां उसका मेडिकल सहित इलाज कराया गया। पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मासूम के घर में रखे थे जवारे, हो रहे भजन-कीर्तन मासूम बच्ची के पिता ने अपने घर पर नवरात्रि में जवारे बोये थे। जिसमें प्रतिदिन पूजा-पाठ और आरती की जा रही थी। गुरुवार की रात को भी जवारों की आरती व पूजा होने के बाद भजन कीर्तन का कार्यक्रम चल रहा था। जिसमें गांव के लोगों सहित पड़ोसी और परिजन मौजूद थे। मासूम बच्ची भी आरती में शामिल हुई थी। आरती के बाद वह घर के बाहर खेलने लगी थी। इसी दौरान गांव का युवक बाइक से आया था और मासूम बच्ची को अपने साथ ले गया था। इस तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा पीड़ित मासूम के पिता ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि उसने घर पर जवारे बोए हैं। गुरुवार की रात को घर पर जवारों में भजन कीर्तन हो रहा था। घर के बाहर उसकी छह साल की पुत्री खेल रही थी। रात करीब 11 बजे गांव का युवक आया और रुपयों का लालच देकर उसकी पुत्री को अपनी बाइक पर बैठाकर बांसी की ओर ले गया।

80 घंटे से धधक रही कोल्ड स्टोर में आग: अब आलू को निकालना शुरू किया, 20 दमकल गाड़ियां-150 कर्मी लगे

सासनी के कोल्ड स्टोर में 80 घंटे से अधिक बीत गए, पर अभी तक आग लगातार धधक रही है। आग को बुझाने के लिए 20 दमकल गाड़ियां लगी हुई हैं। वहां 150 कर्मी भी लगे हुए हैं। एसडीआरएफ, सीआईएसएफ, नरौरा परमाणु संयंत्र कर्मी भी लगे हुए हैं। लखनऊ से उपनिदेशक अग्निशमन अनिमेष सासनी के अलीगढ़-आगरा राजमार्ग स्थित श्री हरि आइस एवं कोल्ड रहे शीतगृह में रखे आलू को दूसरे शीतगृहों में शिफ्ट करने का कार्य शुरू गई।आग की विकरालता को देखते हुए नोएडा, हापुड़ व आगरा से आठ यहां हैं। नोएडा से आर्टिकुलेटिंग वाटर टावर भी पहुंच गया है। कुल 20 सफाई कर्मियों को भी लगाया गया है। ये एसडीआरएफ, सीआईएसएफ, 150 कर्मचारी बचाव कार्य में जुटे रहे हैं। लखनऊ से उपनिदेशक अग्निशमन शीतगृह का चैंबर संख्या पांच पूरी तरह से जलकर ध्वस्त हो गया है। कोशिश कर रहे हैं। इसके बराबर वाले चैंबर में आलू रखा हुआ है, जिसे

सिंह भी मौके पर पहुंच गए और पूरे अभियान की कमान अपने हाथ में ले ली है।हाथरस में स्टोरेज में मंगलवार को लगी आग करीब 80 घंटे बाद भी धधक रही है। 4 अप्रैल को धधक कर दिया गया है। इस दौरान आलू शिफ्ट करने में लगे चार पल्लेदारों की हालत बिगड़ दमकलें और बुलाई गईं, हाथरस, मथुरा, अलीगढ़, कासगंज, भरतपुर की दमकलें पहले से दमकलें 4 अप्रैल को आग बुझाने की कोशिश करती रही। इसके अलावा 65 राज्यकर्मियों व नरौरा परमाणु संयंत्र कर्मी, दमकल कर्मियों के मिलकर काम कर रहे हैं।4 अप्रैल को करीब अनिमेष सिंह भी मौके पर पहुंच गए और पूरे अभियान की कमान अपने हाथ में ले ली है। चैंबर संख्या चार में आग फैली हुई है, बचाव कर्मी उसे दूसरे चैंबरों तक फैलने से रोकने की बचाने के लिए छत पर लगी टीनशेड तोड़कर पानी का फेंका गया। साथ ही आलू को अन्य शीतगृहों में शिफ्ट करने का कार्य शुरू कर दिया गया। इस शीतगृह में मंगलवार सुबह आठ बजे आग लगी थी। जो शुक्रवार को भी सुलगती रही। चैंबर संख्या पांच में रखा किराने का सामान पूरी तरह से जलकर राख हो गया है। मिर्च जलने धुएं के साथ निकली तीखी गंध आसपास के इलाके में लोगों को तो परेशान कर ही रही है, इससे आग बुझाने में लगे कर्मचारियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।हाईड्रा में कल्टीवेटर फंसाकर माल को बाहर निकाला जा रहा है, जिससे आग को फैलने से रोका जा सके। शनिवार सुबह तक आग पर काबू पा लिया जाएगा।-अनिमेष सिंह, उपनिदेशक अग्निशमन

संक्षिप्त समाचार

आपदा प्रबंधन कार्यशाला में दी गई महत्वपूर्ण जानकारियां

क्यूँ न लिखूँ सच -रेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती। विकास खण्डजमुनहा के अंतर्गत ग्राम प्रधान शिकारी चौड़ा में बच्चों और अभिभावकों के लिए आपदा प्रबंधन पर एक विशेष कार्यशाला हुई। पिरामल फाउंडेशन के गांधी फेलो विकास नागरपोले ने मुख्य वक्ता के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यशाला का उद्देश्य आपदा के दौरान सही निर्णय लेने और बचाव कार्यों में सक्षम बनने के लिए जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में कम्पोजिट स्कूल शिकारी चौड़ा के प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार श्रीवास्तव ने इस तरह की कार्यशालाओं के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इससे न केवल बच्चों बल्कि पूरे समुदाय को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जा सकता है।

पटरियों पर अतिक्रमण हटाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती। विकास खंड जमुनहा के अंतर्गत माल्ही चौराहा, भगवानपुर चौराहा, के पटीरियों पर मौरंग, गिट्टी, गुमटी, ठेला व दुकानदारों द्वारा रोड के पटरियों पर अतिक्रमण कर लिया गया है। जिससे मार्ग छोटे बड़े वाहन व पैदल चलना दुर्भर है। सड़क के पटरी पर लगे मौरंग के चपेट में आने पर बाइक सवार गिरकर गंभीर रूप से घायल हो रहे है। शासन प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने के नाम पर नजर अंदाज किया जा रहा है। जिसकी शिकायत मल्हीपर थानाध्यक्ष से अतिक्रमण हटाने की मांग किया है।

ओवरलोड पिकअप पलटी, आवागमन बाधित

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती जमुनहा बहराइच मार्ग के हरदत्तनगर गिरन्ट थाना क्षेत्र के पकड़िया गांव निवासी राजू खान की पिकअप पशुओं के लिए भूसा लेकर चिरैया गांव स्थित गोशाला जा रही थी। ओवरलोड के चलते पिकअप फुलवरिया शाहपुर रेशम फार्म के पास अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। इस हादसे के कारण सड़क पर आवागमन बाधित हो गया। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन को सूचना दी। जिसके बाद रास्ता साफ कराने की प्रक्रिया शुरू की गई।

शामली नवचेतना साइंटिफिक स्कूल में दुर्गा अष्टमी कन्या पूजन आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली नव चेतना साइंटिफिक स्कूल दयानंद नगर हाई स्कूल में नवरात्रों दुर्गा अष्टमी के अवसर पर आज स्कूल में कन्या पूजन का आयोजन किया गया जिस स्कूल के अध्यापक अधिक अध्यापिकाओं ने पारंपरिक तरीके से कन्याओं का पूजन किया और फलाहार देकर कन्याओं को जमाने का पूजन आयोजन किया स्कूल के प्रबंधक दीपक रोहिल्ला अतुल रोहिल्ला अध्यापिकाएं मनीषा रानी संगीता कौशिक रुचि मोनिका शर्मा पलक चौहान वंशिका संगल आदि सम्मिलित रहे

23 व दादी माता महोत्सव बड़े धूमधाम के साथ हनुमान टीला हनुमान धाम पर मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली आज हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हनुमान टीला हनुमान धाम पर

23 व दादी मां जन्मोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया जिसमें बाहर से आए कलाकार लखबीर सिंह लक्खा मुंबई महाराष्ट्र निशांत पाठक शामली में अन्य प्रसिद्ध कलाकार दादी मां के सुंदर-सुंदर भजनों का गुणगान किया गया इस भक्ति में महोत्सव में लखबीर सिंह लक्खा में प्रसिद्ध कलाकार के भजनों को सुनने के लिए भक्तजन दूर-दूर से दादी माता के भजनों को सुनने के लिए भक्तों की भीड़ बढ़ गई जिसमें दादी माता की इच्छा तक यह भक्ति में कार्यक्रम चला रहा जिसमें भक्त जनों के लिए प्रसाद बैठने के लिए उत्तम व्यवस्था का प्रबंध किया गया

62वीं वाहिनी सशस्त्र सी.बल भिनगा में वार्षिक प्रशिक्षण का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती अमरेंद्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के कर-कमलों द्वारा वाहिनी मुख्यालय में 24 दिवसीय वार्षिक गहन रिफ्रेशर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कार्मिकों की व्यावसायिक दक्षता को और अधिक सुदृढ़ करना, नवीनतम तकनीकों से अवगत कराना तथा कार्यक्षमता एवं अनुशासन को उच्चतम स्तर पर बनाए रखना है। प्रशिक्षण सत्र में विभिन्न विषयों जैसे शारीरिक दक्षता, हथियार संचालन, क्षेत्रीय सुरक्षा रणनीति, सीमाओ की सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा संबंधित विषयों

पर विशेष बल दिया जाएगा। कमांडेंट ने अपने संबोधन में सभी जवानों को प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाने और निर्धारित कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाने हेतु प्रेरित किया और कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम सशस्त्र सीमा बल के मूल्यों और कार्यकुशलता को और अधिक मजबूत बनाते है। इस दौरान पीयूष सिन्हा उप कमांडेंट, डॉ. कल्पना महादेव पाटील सहायक कमांडेंट (चिकित्साधिकारी), अन्य अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

सेहौर बंबा के निकट कार में टक्कर मारने के बाद व ट्रक पलटा चार लोग घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद - सुबह सेहौर बंबा के निकट उस समय एक हादसा हो गया जब तेजरफ्तार ट्रक के सामने अचानक कार आ गई। ट्रक कार में टक्कर मारने के बाद रोड पर पलट गया। हादसे में कार सवार चार लोग मामूली रुप से घायल हो गए। ट्रक चालक राजन पुत्र बनवारीलाल निवासी क्वार्सी ने बताया है। वह अपने ट्रक में दिल्ली से परचून

लादकर बनारस जा रहा था। उसकी गाड़ी जैसे ही दिल्ली कानपुर हाईवे पर सैहोर बंबा के निकट पहुंची तभी अचानक एक कार सामने आ गई। जिसे बचाने के प्रयास में उसकी गाड़ी कार से टकराने के बाद रोड पर पलट गई। हादसे में कार सवार प्रशांत भारद्वाज, अमित, आदित्य, निवासी क्वार्सी, यश शर्मा निवासी पीएसी मामूली रुप से घायल हो गए। पनेठी चौकी इंचार्ज सचिन कुमार ने बताया है। घटना में किसी के कोई गंभीर चोट नहीं है। ओमबीर उपाध्याय पुनीत शर्मा,सोहेब खान, अमित डिंपल शर्मा शेखर पाल लोकेश कटारिया रविन्द्र आर्य,आदेश कश्यप,डा0 श्रीपाल सिंह, सुरेशपाल सैनी,विक्रम सिंह, सुरेन्द्र सरोहा,ठाकुर लाखन सिंह,विजेन्द्र पाल वर्मा,साजिद सैफी,विकास शर्मा,यश शर्मा,रोहित मलिक एवं अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सफलता के लिए लक्ष्य का करें निर्धारण

क्यूँ न लिखूँ सच

आज उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुक्रम एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं के निर्देशानुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं द्वारा 04.04.2025 को विधिक साक्षरता/जागरूकता शिविर का आयोजन हाफिज सिद्दीक, किया गया। उक्त शिविर का शुभारम्भ अपर जिला एव सत्र न्यायाधीश/ कुमारी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में असिस्टेन्ट, सक्सेना, द्वारा अपने वक्तव्य में कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों के विधिक में एवं भारतीय संविधान में वर्णित अनुच्छेद-14 व 15 पर विस्तार सेवा प्राधिकरण बदायूं सेनि:शुल्क अधिवक्ता भी दिये जाते हैं साथ 1800-11-4000 व 1915 के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकरी चाइल्ड हेल्प लाइन जिला समन्वयक, कमल शर्मा, द्वारा अपने वक्तव्य लाइन नम्बर 1098, एवं पुलिस सहायता हेल्प लाइन नम्बर 112 एवं प्रदान की गयी। इसी क्रम में नायब तहसीलदार तहसील सदर, कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्रों को जागरूक करते हुए केन्द्र सरकार प्रकार की सरकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं, शिव सभी छात्रों से अपील की गयी कि छात्रों को इन्टरनेट का सही यथा फेसबुक, इन्स्टाग्राम आदि का उपयोग उचित दिशा में करना चाहिए ताकि विद्या अध्ययन करने वाले युवकों का विद्यार्थी जीवन करनी चाहिये साथ ही अच्छी सोच और पढ़ाई पर अधिक ध्यान देना सुरक्षा की दृष्टि से हेल्मेट व शीट वेल्ट आदि यातायात नियमों का

इस्लामियां इण्टर कॉलेज, जनपद बदायूं में आयोजित सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं शिव एल0ए0डी0सी0/जि0वि0से0प्रा0, बदायूं कशिश अधिकारों से सम्बन्धित एवं 3 नये कानूनों के बारे पूर्वक प्रकाश डाला गया इसके अतिरिक्त जिला विधिक ही नालसा स्कीम एवं उपभोक्ता टोल फ्री नम्बर प्रदान की गयी। जिला प्रोबेशन कार्यालय, बदायूं के में कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्रों को चाइल्ड हेल्प स्पांसरशिप योजना के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी जनपद बदायूं, पूजा शर्मा, द्वारा अपने वक्तव्य एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न प्रदान की गयी। शिविर के अन्त में अपर जिला एवं कुमारी द्वारा अपने वक्तव्य में कार्यक्रम में उपस्थित उपयोग करना चाहिए तथा सोशल मीडिया साइटों चाहिए एवं अश्लील सामिग्री से दूरी बनाये रखना नष्ट न हो इसके अतिरिक्त उन्हें अच्छी शिक्षा ग्रहण चाहिए एवं घर से विद्यालय आने जाने पर सड़क पालन करना चाहिए ताकि असमय होने वाली गम्भीर दुर्घटनाओं को रोका जा सके एवं अवयस्क लड़कों द्वारा किये गये विभिन्न प्रकार के अपराधों के मामले में विचारण हेतु भारतीय न्याय व्यवस्था के अधीन जनपद बदायूं में किशोर न्याय बोर्ड, का गठन किया गया है जिसमें 18 वर्ष से कम आयु के किशोरों को दण्ड स्वरूप बाल सुधार गृह बरेली में भेजा जाता है। एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं के कार्यों आदि तथा नि:शुल्क विधिक सहायता हेतु विधिक जानकारी दी गयी इसके अतिरिक्त उनके द्वारा स्त्री-पुरूष सामानता सम्बन्धित प्रावधानों एवं महिलाओं की सुरक्षा एवं कल्याण सम्बन्धित विधिक प्रावधानों को विस्तृत रूप में बताया गया। एवं दिनांक 10.05.2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन स्तर पर सुलह समझौते के आधार पर अपने वादों का निस्तारण करा सकते हैं। उक्त कार्यक्रम का संचालन, हाफिज सिद्दीक, इस्लामियां इण्टर कॉलेज, जनपद बदायूं के प्रधानाचार्य, अब्दुल सुबूर खान के द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूं के पराविधिक स्वयं सेवकगण, एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। इसके उपरान्त शिविर के अध्यक्ष की अनुमति से उक्त शिविर का समापन किया गया।

एसएसपी ने परेड एवं पुलिस लाइन का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

एसएसपी डॉ0 बृजेश कुमार सिंह ने पुलिस लाइन बदायूँ में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली गयी। परेड का संचालन क्षेत्राधिकारी उझानी श्री शक्ति सिंह द्वारा किया गया। तत्पश्चात परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रुप से फिट रहने हेतु परेड पुलिसकर्मियों का टर्न आउट चैक करते हुए सम्पूर्ण संचालन एवं उचित रख-रखाव हेतु अभ्यास कराया निरीक्षण किया गया, क्वार्टर गार्ड, शस्त्रागार, गार्दरुम, कार्यालय, केन्द्रीय पुलिस कैन्टीन, गैस एजेन्सी, आरओ शाखा, पुलिस मॉर्डन स्कूल बदायूँ, आटा/मसाला निर्माणाधीन कार्यो आदि का निरीक्षण किया गया, दृष्टिगत रिजर्व पुलिस लाइन स्थित आर0टी0सी बैरक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान उपाध्याय,क्षेत्राधिकारी उझानी श्री शक्ति तिवारी,क्षेत्राधिकारी सहसवान श्री कर्मवीर सिंह,व

ग्राउण्ड में दौड़ लगवाई गयी तथा टोलीवार ड्रिल की कार्यवाही करवाई गयी। इस दौरान शस्त्रों के गया। परेड के पश्चात रिजर्व पुलिस लाइन बदायूँ का जीपी स्टोर, यातायात कार्यालय, परिवहन शाखा, जीडी प्लांट, पुलिस कन्ट्रोल रुम, क्रिप्टो सेन्टर पुलिस रेडियो चक्की, भोजनालय, पुलिसकर्मियों के बैरक साथ ही तदोपरांत आगामी रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण के का निरीक्षण कर बैरक को दुरुस्त करने हेतु संबंधित क्षेत्राधिकारी नगर श्री रजनीश कुमार सिंह,क्षेत्राधिकारी दातागंज श्री कृष्ण कुमार क्षेत्राधिकारी बिल्सी श्री संजीव कुमार तथा क्षेत्राधिकारी बिसौली श्री सुनील कुमार सिंह एवं प्रतिसार निरीक्षक श्री इन्द्रजीत सिंह व समस्त थाना प्रभारी/थानाध्यक्ष एवं समस्त चौकी प्रभारी तथा पुलिस लाइन के समस्त शाखा प्रभारी उपस्थित रहे।

शामली शामली कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा ओम प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में योगेश भारद्वाज के संचालन में एक बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

जिला शामली के कांग्रेसजन की एक बैठक कांग्रेस कैम्प कार्यालय निकट बलभद्र मन्दिर बुढ़ाना रोड पर पूर्व जिलाध्यक्ष व उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य ओमप्रकाश शर्मा के नेतृत्व और योगेश भारद्वाज के संचालन में आयोजित हुई। बैठक में जिला शामली में कांग्रेस को मजबूत करने गांव दर गांव में सभाए आयोजित कर अधिक से अधिक नीतिओ का प्रचार प्रसार करने पर बल दिया गया। बैठक कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव पिछड़े,दलित,कामगार ओर सड़क तक संघर्ष करती रही है मगर पिछले कुछ वर्षो में के दिलो दिमाग का अतिक्रमण करने में सफल रही है देखने को मिली है। परंतु आज भी कांग्रेस अपने जनहित लोग आज भी कांग्रेस को चाहते है आवश्यकता है केवल से कांग्रेस के अंदर भी वामपंथी विचारधारा के लोगो के विचारधारा के लोगो का तिरस्कार कर कांग्रेस को कमजोर कांग्रेसी निष्क्रिय होकर अपने घरों तक सिमट कर रह कांग्रेस कार्यकर्ताओं को साथ लेकर जिले भर में गांव सिलसिलेवार सभाए करते हुए उन निष्क्रिय कार्यकर्ताओ अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने सभा के माध्यम से पार्टी के लिये काम करने का आह्वान किया। सभा को उपरांत प्रेसवार्ता के दौरान पार्टी की उथल पुथल के संदर्भ ओर गैर कांग्रेसी विचारधारा के लोग अथवा पार्टी से वाले लोग आज पार्टी को छोड़ रहे है उनके पार्टी में रहने

हेतु तीन विधानसभाओ के सभी ब्लॉक ओर संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता बनाने व कांग्रेस को सम्बोधित करते हुए ओमप्रकाश शर्मा ने शोषित वंचितों के हितों के लिये संसद से लेकर अवसरवादिता ओर झूठ की राजनीति जनता जिसके फलस्वरूप कांग्रेस के जनाधार में कमी के मुद्दों के साथ जनता के साथ है और असंख्य उनको उचित सम्मान की। पिछले कुछ समय हावी होने के कारण सच्चे ओर समर्पित कांग्रेसी करने की कुत्सित मानसिकता के कारण समर्पित गए है परंतु अब जिले के वरिष्ठ ओर निष्ठावान गांव और जनपद की तीनों विधानसभाओ में को साथ लाने और नए सदस्यों को जोड़ने का कार्यकर्ताओ को नई ऊर्जा और उत्साह के साथ अनेक वक्ताओं ने सम्बोधित किया। सभा के में जबाब पर कहा गया कि जो भी अवसरवादी अधिक अपने निजी हितों को ध्यान में रखने पर कभी पार्टी का कोई भला नही हुआ है और ये पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओ तथा स्वयं पार्टी के लिये अच्छा संकेत ही है कि ऐसे अवसरवादी लोग खुद ही स्थान खाली कर रहे है। ऐसे लोगो का अपना कोई जनाधार नही है और उनका जाना पार्टी के लिये नगण्य है। सभा मे मुख्य रूप से वैभव गर्ग प्रवीण तरार,बाबू खान,योगेश भारद्वाज, ज्योति प्रसाद शर्मा,अश्वनी शर्मा ओमबीर उपाध्याय पुनीत शर्मा,सोहेब खान, अमित डिंपल शर्मा शेखर पाल लोकेश कटारिया रविन्द्र आर्य,आदेश कश्यप,डा0 श्रीपाल सिंह, सुरेशपाल सैनी,विक्रम सिंह, सुरेन्द्र सरोहा,ठाकुर लाखन सिंह,विजेन्द्र पाल वर्मा,साजिद सैफी,विकास शर्मा,यश शर्मा,रोहित मलिक एवं अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

01 परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच -भूपेन्द्र तिवारी

पुलिस अधीक्षक बहराइच के निर्देशन में सामाजिक रिश्तों को बचाने हेतु किये जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस कार्यालय स्थित 'परिवार परामर्श केन्द्र' द्वारा आपसी परिवारिक विवाद को समाप्त कराकर 01 परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया आवेदिका

द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गया

नगर क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर किया गया पैदल गश्त

क्यूँ न लिखूँ सच -भूपेन्द्र तिवारी

बहराइच जनपद में शान्तिं ,सुरक्षा व कानून-व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक नगर महोदय द्वारा नगर क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर किया गया पैदल गश्त नवरात्रि, रामनवमी, जुम्मे की नमाज व वक्फ़ बिल के दृष्टिगत जनपद में शान्तिं, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा

आम जनमानस में सुरक्षा की भावना व पुलिस के प्रति विश्वास बनाये रखने हेतु अपर पुलिस अधीक्षक नगर महोदय श्री रामानन्द कुशवाहा द्वारा क्षेत्राधिकारी नगर श्री रमेश चन्द्र पाण्डेय व प्रभारी महिला थाना, प्रभारी थाना कोतवाली नगर मय पुलिस बल एवं अर्धसैनिक बल के साथ शहर के प्रमुख बाजारों, मुख्य मार्गों, भीड़भाड़ वाले स्थानों तथा मिश्रित आबादी वाले संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च/पैदल गस्त किया गया।

बहराइच/पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा शुक्रवार परेड की सलामी ली गयी एवं परेड का निरीक्षण किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -भूपेन्द्र तिवारी

पुलिस अधीक्षक महोदय, बहराइच द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। परेड में सम्मिलित पुलिस कर्मियों के टर्नआउट को चेक करते हुए सभी अधिकारी/कर्मचारीगण को

ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की वर्दी पहनने व जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया। परेड के दौरान अनुशासन व एकरूपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई परेड के उपरान्त शस्त्रों का निरीक्षण किया गया तथा पुलिस लाइन परिसर स्थित परिवहन शाखा समेत विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त महोदय द्वारा पुलिस लाइन की बेहतर साफ-सफाई हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया। तत्पश्चात महोदय द्वारा पुलिस लाइन के आदेश-कक्ष में सभी गार्द रजिस्टरों को चेक करते हुए गार्द की सुरक्षा के सम्बन्ध में सभी गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन श्री राज सिंह, प्रतिसार निरीक्षक श्री भुवनेश्वर सिंह तथा अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दो नफर अभियुक्त मय माल के साथ गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेंद्र कुमार पांडेय

*पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में जनपद बहराइच चोरी के मुकदमे से संबंधित दो नफर अभियुक्त मय माल के साथ गिरफ्तार गिरफ्तार वांछित/अभियुक्तों का विवरण:- 1.थाना हरदी पुलिस द्वारा 02 अभियुक्त 1. नारदमुनि चौहान पुत्र

बांके लाल निवासी पण्डितपुरवा थाना रामपुर मथुरा जनपद सीतापुर, 2. दिनेश चौहान पुत्र अनिरुद्ध चौहान निवासी चांदपुर लोधौनी थाना रामपुर जनपद सीतापुर सम्बन्धित मु0अ0सं0 69/2025 धारा 303(2)/317(2) BNS से 01 सुपर स्प्लेण्डर, जनरेटर का अल्टीनेटर खुला हुआ तथा कापर वायर नट बोल्ड बरामद कर किया गया गिरफ्तार

These 6 plants are oxygen banks, will make the house beautiful along with giving fresh air

To live a healthy life, medicinal plants must be planted in your homes. These plants not only enhance the beauty of your house but also benefit health and clean the surrounding environment. In such a situation, today in this article we will tell you about some such plants which can be easily planted in homes. To stay healthy, the environment around us should also be better. In such a situation, planting some plants at home can help you a lot. These plants will not only make the house beautiful but also keep the health good. Medicinal plants not only enhance the beauty of the house, but also provide many health benefits. Along with filling freshness in the environment around us, they also purify the environment and are helpful in the treatment of many types of diseases. Keeping these medicinal plants at home not only cleans the environment around you, but it also helps in keeping the body healthy and energetic. These plants bring positivity and peace in the house along with doing natural treatment. The special thing about these plants is that it is very easy to plant them at home. Let us know about some such medicinal plants, which must be kept at home- Tulsi Tulsi is considered as Sarva Rog Nivarini in Ayurveda, because it is helpful in increasing cold-cough, fever and immunity. Not only this, the Tulsi plant purifies the environment around it and brings positive energy to the house. The decoction of its leaves is very beneficial for health. Aloe Vera- Aloe vera is also very famous for its medicinal properties. It is very beneficial for skin, health and hair. It improves digestion and helps in healing wounds quickly. The special thing is that this plant grows even with less care and cleans the air. Neem Neem leaves and bark are used to remove skin problems, diabetes and digestion related problems. It is full of antibacterial and anti-fungal properties. Neem plant eliminates bacteria and toxins present in the air of the house. Mint- Mint is a refreshing plant. It improves digestion, relieves headache and reduces stress. Mint leaves can be used to make tea, chutney, salad and decoction. It also maintains coolness and freshness in the house. Ashwagandha- Ashwagandha gives energy to the body, reduces stress and anxiety. It also strengthens the immune system and gives mental peace. Planting it at home is very beneficial for health. Giloy- Giloy, the Sanjeevani of Ayurveda, is also called Amrita. It helps in increasing immunity, reducing fever and body detox. Its vine can be easily grown at home. Snake Plant- This plant releases oxygen at night and purifies the air of the house. The dust present in the air sticks to its wax-like leaves. It is very beneficial for better sleep and stress-free life.

Eating coconut cream will benefit you from head to toe, it is beneficial for heart and bone health

Drinking coconut water is beneficial for health but eating its cream can be equally beneficial (Coconut Cream Benefits). Eating coconut cream is very beneficial for health. It is also very beneficial for the skin. In this article, we are going to tell about the benefits of eating coconut cream. Eating coconut cream can be beneficial for health.Eating it also benefits the skin a lot. Coconut cream is also beneficial for bones. Coconut cream is not only best in taste, but it is also full of nutrition (Coconut Cream Benefits). It contains a good amount of healthy fats, vitamins, minerals and antioxidants, which provide many benefits to the body. Whether you eat it straight or mix it in smoothies, desserts or curries, it is very beneficial for your health (Nariyal Ki Malai Ke Fayde). Let us know about some of the major benefits of eating coconut cream. Benefits of eating coconut cream Increase energy level and metabolism- The medium-chain triglycerides present in coconut cream convert into energy rapidly, which gives instant energy to the body. It increases metabolism, which helps in weight loss. Beneficial for heart health- Lauric acid is found in coconut cream, which increases good cholesterol and controls bad cholesterol. This keeps our heart healthy and blood pressure balanced. Strengthens the digestive system- Coconut cream contains a good amount of healthy fats and fiber, which improve digestion. It helps in relieving constipation and reducing stomach inflammation. Also, it promotes good bacteria in the intestines. Beneficial for skin and hair- It contains antioxidants, vitamin-E and healthy fats, which moisturize the skin and reduce wrinkles. Coconut cream also helps in making hair strong and thick. Strengthens bones and teeth- Coconut cream contains many nutrients like vitamin C, vitamin E, phosphorus and magnesium, which strengthen bones and teeth. This prevents the risk of osteoporosis. Helpful in increasing immunity- Coconut cream contains antiviral, antibacterial and antifungal properties, which increase the body's ability to fight diseases. It helps prevent colds and fight infections. Improves stress and mental health- It contains healthy fats, which help in increasing memory. It reduces stress and gives mental peace. Coconut cream is no less than a superfood, which benefits the body from giving instant energy to the heart, bones, skin and digestive system. So definitely include it in your diet and reap its tremendous benefits.

Situationship is the new relationship trend of Gen-Z, there is no chance of commitment-tension; why is it becoming so popular?

Situationship A relationship trend is becoming very popular among the young generation and that is situationship. In which there is no pressure of anything to be done in the relationship, especially commitment. In some cases it is right and in some cases it is bad, so let's know about situationship in detail. In today's time, the definition of love and relationships is changing. Earlier people believed in commitment, which lasted for a lifetime. Now the era of Gen Z has come. The thinking of today's youth has also changed. Today people shy away from getting committed. These days the trend of situationship is becoming very popular among the youth. It is neither a complete friendship nor a serious relationship. Situationship is made up of two words 'situation' and 'relationship'. Which completely depends on the situation. First of all, let's know what is situationship and what are its advantages and disadvantages. Along with this, we will also tell why it is becoming increasingly popular among Gen Z. What is Situationship? Situationship is a relationship status where two people are close to each other. During this time, there can also be an emotional and physical connection between them. But you cannot name it a relationship. Because it does not completely come under the category of relationship. There is no fear of commitment in this. Two people just connect to spend time with each other and enjoy life. In such a situation, there is no lack of romance in life. To a large extent, they also work to keep you fresh. Why is Situationship becoming so popular? Today, from men to women, everyone is using dating apps. People are preferring to stay single. If things are not working out after marriage, then instead of tolerating each other, people are not hesitating to separate. It means that everything is very clear cut. In such new trends, situationship has also become popular. Apart from this, this relationship is a situation between love and loneliness, where people are getting together without any pressure. Signs of situationship If your partner gives you a lot of attention when you are alone, but leaves you alone in social gatherings, then this also points towards situationship. If your partner avoids introducing you to his friends and relatives. Avoids coming and staying with you in public places, then it means you are in situationship. Although your partner is very close, but is avoiding too much emotional attachment and any kind of commitment, then you should understand that you are in situationship. People in situationship do not give a name to their relationship. They like to be completely free. If your partner is also doing this, then it means you are in the same condition. Advantages of situationship There is no social pressure in this relationship. People's freedom remains intact. Problems related to breakup or commitment can be avoided. What are the disadvantages of situationship Emotional confusion can increase. Sometimes you can also become a victim of stress. Is situationship right? It completely depends on the thinking and priorities of that person. If both the partners are doing it with mutual consent and no one is facing any problem, then it can be a good option. Just keep in mind that you do not get emotionally attached.

Chhaava was auspicious for Tuesday! The math of earnings suddenly changed on weekdays

Chhaava Box Office Day 19 Vicky Kaushal's film Chhaava is maintaining its strong hold on the box office these days. Even on weekdays, this movie is not seen giving up in any way in terms of earnings. On the 19th day of change in the collection of Chhaava. office on the 19th day Change in many crores has the movie earned so complete its third week of release. But Vicky Kaushal's Chhaava is not this movie is not seen lagging behind once again there has been a huge which has surprised everyone. Let us earned on the third Tuesday. Chhava weekend, director Laxman Utekar's digits to single digits at the box office. again picked up the pace and has the report of Saccanilk, on the third Chhava has done a business of than Monday. Looking at this that the craze of this movie has not in the coming days, this film will be income of the 19th day is added, then domestic box office has become Chhava has become the highest acting career, but also in the movies

release, once again there has been a Chhaava showed its strength at the box earnings on the third Tuesday - How far Drama period film Chhaava will soon in terms of earning a lot at the box office, ready to accept defeat. In the weekdays, in any way. On the 19th day of release, jump in the collection of Chhaava, know how many crores Chhaava has earned so many crores - After the third film Chhava has gone from dubbed But on the 19th day, Chhava has once shown surprising earnings. According to Tuesday of its release, Vicky Kaushal's around 6 crores, which is slightly less performance of Chhava, it can be said yet gone away from the cine lovers and seen doing wonders in earning. If the now the net collection of Chhava at the around 486 crores. With this, now grossing film not only in Vicky Kaushal's of the drama period league. Overall, on the basis of historical movies, Chhava has created a new record. - These historical story based movies made bumper earnings Even before Chhava, movies based on historical stories have dominated the box office. They have given an amazing performance in terms of earnings. Their list is as follows- Chhava- 486 crores* Padmaavat- 302 crores Tanhaji- 280 crores Bajirao Mastani- 184 crores In this way, Chhava has left all these movies far behind with its bumper earnings. The audience has given immense love to this movie which is based on the story of the courage of Maratha hero Chhatrapati Sambhaji Maharaj.

'My son and husband were badly beaten up...' Ayesha Takia's family in controversy, police filed a case against husband?

Actress Ayesha Takia, who ruled the hearts of fans with Salman Khan's comeback film Wanted, is keeping a distance from the acting world. But she often remains in the news for her personal life. Currently, Ayesha husband Farhan Azmi and has stuck in legal trouble Wanted story of her husband and son At of the cinema world, used to she has taken a break from the personal life. But at this time her husband Farhan Azmi. It is case against the actress's husband creating ruckus. Ayesha has given Ayesha reacted - Ayesha Takia has handle regarding this matter. In told the truth of the whole matter. night was very frightening for our Goa goons attacked and tortured husband had called for his my husband dialed 100 to the registered against him. We have authorities when the time comes. and we have full faith in the Indian to Hindustan reports, a case has

has given her reaction to the legal action against her clarified the whole matter. Ayesha Takia's husband actress reacted on social media Ayesha narrated the one time, Ayesha Takia, one of the famous actresses remain in the news for her films. A long time ago, acting world and now remains in the news for her Ayesha's name has come in the headlines regarding reported that late night Goa Police has registered a (Ayesha Takia Husband) for reckless driving and her reaction on social media regarding this matter. shared an Insta story on her official Instagram which she has put forward her husband's side and The Wanted film actress has said in her claim - Last family. My husband and son were badly threatened. them. They also scuffled with the police, whom my protection. To escape from the crowd of 150 people, police. But it was surprising when a case has been CCTV footage, which will be presented to the We are cooperating with the investigating agencies law and order. What is the whole matter - According been registered against Ayesha Takia's Farhan Azmi for allegedly driving at high speed and recklessly in Candolim area of ??East Goa late night. It is alleged that he and two other people clashed with the local residents and created a ruckus. After which the police had to take action against them. Later, actress Ayesha Takia has written a long note in support of her husband and denied these allegations. Let us tell you that Ayesha married Farhan Azmi in the year 2009 and left the film world and they also have a son.

Sholay will be celebrated on completion of 50 years, special screening will be done in this big film awards show

Sholay Director Ramesh Sippy's film Sholay is considered one of the most successful movies in the history of Hindi cinema. In 2025, this film starring Dharmendra and Amitabh Bachchan will complete 50 years of its release. Now a Under which a special screening of Sholay complete 50 years of release in 2025 Special cult classic movies of Hindi cinema, then director Ramesh Sippy's Sholay will is going to be organized for this. In the 25th (IIFA), a special screening of Amitabh done. IIFA organizers have decided to hold cinema on completion of 50 years of the on March 9 at 11 am, the actors, co-actors, Bollywood's big celebrities will be present both Sholay and Raj Mandir Cinema are on 15 August 1975, while the foundation Minister Late Mohanlal Sukhadia and was Haridev Joshi. Let us tell you that IIFA is Silver in the New Gold. IIFA Digital and Convention Center. The grand finale works and artists of Indian cinema will be

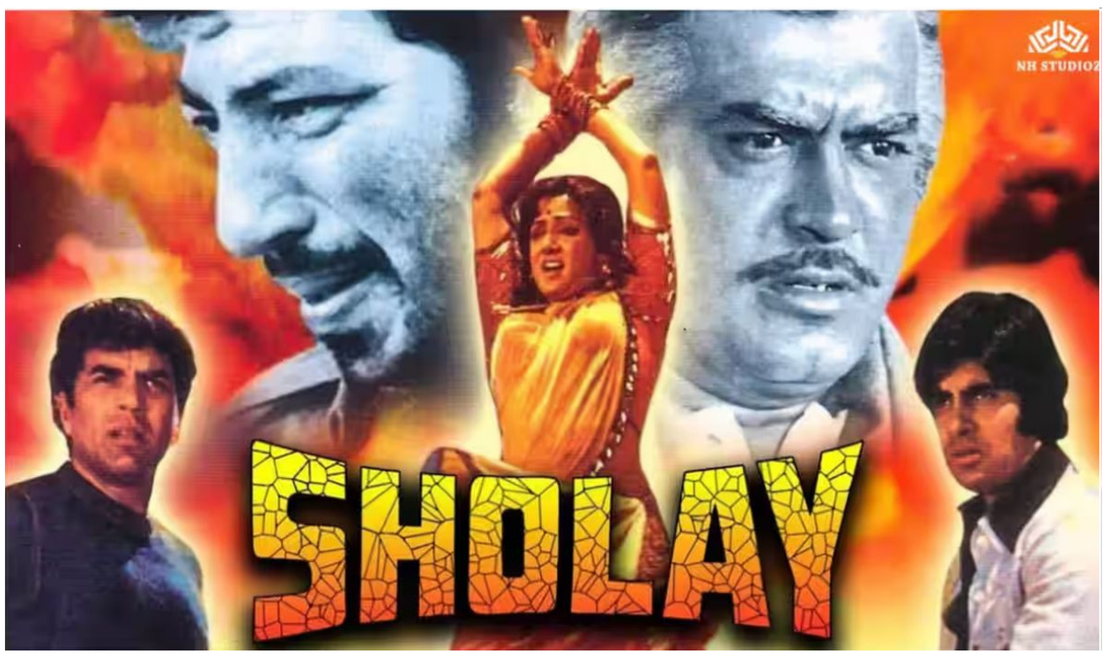

big film awards has started special preparations for this. will be done. Sholay film will have a special screening Will honor will be given in this awards show If we talk about the name of Sholay is definitely included in it. This year complete 50 wonderful special years of its release. An event anniversary event of International Indian Film Academy Bachchan and Dharmendra's famous film Sholay will be a special screening of the film at Jaipur's famous Raj Mandir film. Special preparations for Sholay - During the screening singers associated with the film will share their experiences. in the screening. The special thing about this event is that celebrating Golden Jubilee this year. Sholay was released of Raj Mandir Cinema was laid in 1966 by the then Chief inaugurated on June 1, 1976 by the then Chief Minister Late celebrating its 25th anniversary in Jaipur under the theme Awards will be organized on March 8 at Jaipur Exhibition of IIFA Awards will be held on March 9, in which the best honored. Apart from Dharmendra and Amitabh Bachchan, actors like actress Hema Malini, Sanjeev Kumar, Jaya Bachchan and Amjad Khan were seen in important roles in Sholay. 50 years of Sholay The brilliant story and characters of Sholay came out from the pen of film writers Salim Khan and Javed Akhtar. In which the character of Gabbar Singh became very popular, which is still mentioned today. This movie is considered to be the most successful film in the history of Hindi cinema. Because the way Sholay rocked the box office, no other Hindi film could do that during that time. This is the reason why the completion of 50 years of Sholay will be celebrated with great pomp. Let us tell you that after movies like Jai Maa Santoshi, Sholay was the second highest grossing film in 1975.